वर्ष-10, अंक-48 पृष्ठ- 8, मूल्य : 02 रुपये

TM

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

Adhunik Samachar

प्रयागराज बुधवार, 24 अप्रैल, 2024

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Adhunik Samachar

संक्षिप्त समाचार

लोक सेवक शासन, लोक कल्याण को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सिविल सेवा दिवस पर शासन और जनकल्याण के कार्यों में अहम भूमिका निभाने के लिए सभी

नौकरशाहों को शुभकामनाएं दी हैं। पीएम मोदी ने कहा कि हमारे देश की सेवा में उनके कठिन परिश्रम और प्रतिबद्धता से कार्य करने के लिए वह उनके आभारी हैं। पीएम मोदी ने रविवार को एक्स पर पोस्ट में कहा कि देश के नौकरशाह शासन के कामकाज को आगे बढ़ाने और जनकल्याण के कार्यक्रमों में अहम भूमिका निभाते हैं। वह देश की नीतियों को अमल में लाने में भी सबसे आगे रहते हैं। वह हर चुनौतियों से निपटने में और सामाजिक बदलाव लाने में अग्रिम मोर्चे पर रहते हैं। उनके आने वाले उद्यमों के लिए भी शुभकामनाएं। पीएम मोदी ने रविवार को एक्स पर पोस्ट में कहा कि देश के नौकरशाह शासन के कामकाज को आगे बढ़ाने और जनकल्याण के कार्यक्रमों में अहम भूमिका निभाते हैं। वह देश की नीतियों को अमल में लाने में भी सबसे आगे रहते हैं। वह हर चुनौतियों से निपटने में और सामाजिक बदलाव लाने में अग्रिम मोर्चे पर रहते हैं। उनके आने वाले उद्यमों के लिए भी शुभकामनाएं। इसी तरह, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी एक्स पर पोस्ट कर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह दिन केवल स्मरोणोत्सव ही नहीं, बल्कि यह मर्मपूर्ण तरीके से याद भी दिलाता है कि हमारी जिम्मेदारी देश की सेवा की भावना से कार्य करना है। इस दिन हम सबको समाज के वंचितों को भी हरेक नागरिक के प्रेरणा के साथ जोड़ना है। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार ने वर्ष 2006 से प्रत्येक वर्ष 21 अप्रैल को 'सिविल सेवा दिवस' मनाने की शुरुआत की। इसे नौकरशाहों को नागरिकों के लिए समर्पित करने।

नेहा के पिता ने पुलिस पर लगाया 'लापरवाही' का आरोप

(आधुनिक समाचार सेवा)
बेंगलुरु। कर्नाटक के हुबली में 23 साल की नेहा हिरेमथ की हत्या पर राज्य में विरोध प्रदर्शन तेज हो केस को ठडायवर्टठ करने की कोशिश कर रही है। हुबली-धारवाड़ नगर निगम के कांग्रेस पार्षद निरंजन हिरेमथ ने इस लापरवाही के लिए

गए हैं। इस बीच पिता निरंजन हिरेमथ ने कर्नाटक पुलिस पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि पुलिस जांच में लापरवाही करते हुए मामले के प्रभारी पुलिस आयुक्त के तबादले की मांग की है। उन्होंने मामले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो या सीबीआई से करवाने की मांग की है।निरंजन हिरेमथ के आरोपों पर भाजपा ने कर्नाटक सरकार को घेरा है। भाजपा के आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने कर्नाटक सरकार पर हत्यारों पर नरम होने का आरोप लगाते हुए कहा कि अब सच सामने आ गया है। उन्होंने कहा कि किसी भी कांग्रेस नेता ने मृतक नेहा हिरेमठ के पिता निरंजन हिरेमथ से मुलाकात नहीं की, जिनकी फयाज ने चाकू मारकर हत्या कर दी थी। बता दें कि कर्नाटक के एक कॉलेज की छात्रा नेहा हिरेमथ की उसके पूर्व सहपाठी फयाज खोंडुनायक ने हत्या कर दी थी। इस घटना के बाद राजनीतिक विवाद छिड़ गया है। भाजपा ने इसे लव जिहाद का मामला बताया है, जबकि कांग्रेस ने आरोप से इनकार किया है। आरोपी फैयाज को मौत की सजा की मांग को लेकर पूरे कर्नाटक में विरोध प्रदर्शन हो रहा है।

सीडीएस जनरल अनिल चौहान चौहान फ्रांस दौरे पर, ये है पूरा कार्यक्रम

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान द्विपक्षीय रक्षा और रणनीतिक संबंधों को और मजबूत करने के

लिए रविवार को फ्रांस रवाना हो गए। हिंद प्रशांत क्षेत्र में चीन की आक्रामकता के मद्देनजर भारत-फ्रांस के बीच रक्षा एवं रणनीतिक संबंध महत्वपूर्ण हैं। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान द्विपक्षीय रक्षा और रणनीतिक संबंधों को और मजबूत करने के लिए रविवार को फ्रांस रवाना हो गए। हिंद प्रशांत क्षेत्र में चीन की आक्रामकता के मद्देनजर भारत-फ्रांस के बीच रक्षा एवं रणनीतिक संबंध महत्वपूर्ण हैं। जनरल चौहान की फ्रांस यात्रा पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच हो रही है।जनरल चौहान की फ्रांस यात्रा पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच हो रही है। रक्षा मंत्रालय ने सीडीएस की यात्रा की अवधि का उल्लेख किए बिना कहा, इस यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों के बीच मजबूत रक्षा संबंधों को और मजबूत करना है।जनरल चौहान यात्रा के दौरान फ्रांस के वरिष्ठ प्रशासनिक और सैन्य नेतृत्व के साथ बातचीत करेंगे।

पुर्तगाली नागरिकता वाले गोवावासियों को राहत, ओसीआई के लिए कर सकेंगे आवेदन

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। भारत में पूर्ववर्ती पुर्तगाली क्षेत्रों (गोवा और दमन और दीव) के उन लोगों को भारत सरकार ने राहत दी है जिनके भारतीय पासपोर्ट

पुर्तगाली नागरिकता लेने के बाद रद्द कर दिए गए थे। विदेश मंत्रालय ने पासपोर्ट अधिकारियों निर्देश दिया है कि उन लोगों को 'निरसन आदेश' जारी करें जिनके भारतीय पासपोर्ट रद्द किए गए हैं।भारत में पूर्ववर्ती पुर्तगाली क्षेत्रों (गोवा और दमन और दीव) के उन लोगों को भारत सरकार ने राहत दी है जिनके भारतीय पासपोर्ट पुर्तगाली नागरिकता लेने के बाद रद्द कर दिए गए थे। विदेश मंत्रालय ने पासपोर्ट अधिकारियों निर्देश दिया है कि उन लोगों को निरसन आदेश जारी करें जिनके भारतीय पासपोर्ट रद्द किए गए हैं। यह निणय कई लोगों को राहत दे सकता है।यह निर्णय उन कई लोगों को राहत दे सकता है जो नियमों के अनुसार ओवरसीज सिटीजनशिप ऑफ इंडिया (ओसीआई) के लिए आवेदन करने के अयोग्य हो गए थे। ओसीआई कार्ड भारत सरकार द्वारा भारतवंशी लोगों को जारी किया जाता है जो विदेशी नागरिक हैं। ओसीआई भारतवंशी विदेशी नागरिकों को अनिश्चित काल तक भारत में रहने और काम करने का अधिकार देता है।विदेश मंत्रालय के चार अप्रैल के ज्ञापन में कहा गया है, गृह मंत्रालय ने भारत में पूर्ववर्ती पुर्तगाली क्षेत्रों के उन लोगों के मामले में 'सरेंडर सर्टिफिकेट' के बदले 'निरसन प्रमाणपत्र' को वैकल्पिक दस्तावेज के रूप में स्वीकार करने का निणय लिया है जिन्होंने पुर्तगाली नागरिकता ले ली है। ऐसे सभी मामलों में अनिवार्य रूप से निरसन आदेश जारी करने की सलाह दी जाती है।इस फैसले के बाद गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने हजारों गोवा नागरिकों को राहत देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और विदेश मंत्री एस. जयशंकर को एक्स पर पोस्ट कर धन्यवाद दिया।

पहले चरण के मतदान के बाद प्रधानमंत्री मोदी निराश बोले राहुल गांधी- देश अब अपने मुद्दों पर करेगा वोट

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा रविवार को राजस्थान की चुनावी रैलियों में कांग्रेस के घोषणा पत्र पर सवाल उठाने पर पार्टी ने पलटवार किया है। कांग्रेस के पूर्व भविष्य के लिए वोट करेगा। भारत भटकेगा नहीं। पार्टी के मीडिया एवं प्रचार विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा ने अपनी पोस्ट में कहा, ठप्रधानमंत्री को चुनौती है कि हमारे घोषणा पत्र में कहीं भी हिंदू

अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि पहले चरण के मतदान में निराशा हाथ लगने के बाद प्रधानमंत्री मोदी के झूठ का स्तर इतना गिर गया है कि घबराकर वह अब जनता को मुद्दों से भटकाना चाहते हैं। राहुल ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि कांग्रेस के क्रांतिकारी घोषणा पत्र को मिल रहे अपार समर्थन के रुझान आने शुरू हो गए हैं। देश अब अपने मुद्दों पर वोट करेगा; अपने रोजगार, अपने परिवार और मुसलमान लिखा हो तो दिखा दें। इस तरह का हल्कापन आपकी मानसिकता में और आपके राजनीतिक संस्कारों में है। हमने तो युवाओं, महिलाओं, किसानों, आदिवासियों, मध्यम वर्ग और श्रमिकों को न्याय की बात कही है। आपको इससे भी आपत्ति है उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री ने कहा है कि अगर कांग्रेस सत्ता में आई, तो वह लोगों की संपत्ति घुसपैठियों और ज्यादा बच्चे वाले लोगों में वितरित कर देगी।

बुर्का नहीं पहना और कुमकुम लगाया तो पत्नी के सामने महिला के साथ की हैवानियत

(आधुनिक समाचार सेवा)
बेलगावी। कर्नाटक में 28 वर्षीय महिला की निजी तस्वीरों का उपयोग करके उसे ब्लैकमेल करने की कोशिश की गई। वहीं, महिला पर इस्लाम धर्म अपनाने के लिए मजबूर किया

गया। इस मामले में सात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया गया है। आरोपी की पहचान रफीक और उसकी पतने के रूप में हुई, जो उसके साथ यौन गतिविधियों में लिप्त था। कर्नाटक में 28 वर्षीय महिला के साथ यौन उत्पीड़न किया गया और उसकी निजी तस्वीरों को उजागर करने की धमकी दी गई। इस मामले में सात लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए। बेलगावी के पुलिस अधीक्षक (एसपी) भीमाशंकर एस गुलेद ने कहा अप्रैल 2024 में आरोपी ने पीडि़ता को पांच बार नमाज पढ़ने बुर्का पहनने और कुमकुम न पहनने के लिए मजबूर किया। पुलिस के अनुसार, पीडि़त महिला ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि आरोपी ने अपनी पतनी के साथ उसका यौन उत्पीड़न किया और उसे बुर्का पहनने और माथे पर 'कुमकुम' नहीं लगाने के लिए मजबूर किया गया है। तीनों एक साथ रह रहे थे और 2023 में उसके पति रफीक ने उसके साथ यौन उत्पीड़न किया और उसे इस्लाम में परिवर्तित करने की मांग की। बेलगावी के पुलिस अधीक्षक (एसपी) भीमाशंकर एस गुलेद ने कहा, अप्रैल 2024 में आरोपी ने पीडि़ता को पांच बार नमाज पढ़ने, बुर्का पहनने और कुमकुम न पहनने के लिए मजबूर किया।ठ आरोपी रफीक ने उससे अपने पति को तलाक देने और इस्लाम धर्म अपनाकर उनके साथ रहने के लिए कहा और धमकी दी कि अगर महिला ने ऐसा नहीं किया तो उसकी निजी तस्वीरों को दुनिया से उजागर कर दिया जाएगा। महिला की शिकायत पर सात लोगों के खिलाफ सौंदत्ती में एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस ने कहा कि आरोपी पर कर्नाटक धर्म की स्वतंत्रता के अधिकार संरक्षण अधिनियम, आईटी कानून की संबंधित धाराओं, एससी/एसटी अधिनियम और भारतीय दंड संहिता के तहत आरोप लगाए गए हैं , जिनमें यौन उत्पीड़न, अपहरण और आपराधिक धमकी शामिल हैं। पुलिस ने जानकारी दी कि आगे की जांच चल रही है। करके उसे इस्लाम में परिवर्तित होने के लिए मजबूर करने के आरोप में एक जोड़े और पांच अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। आरोपी की पहचान रफीक और उसकी पतने के रूप में हुई, जो उसके साथ यौन गतिविधियों में लिप्त था। पुलिस ने कहा कि फिर उसने उसकी अंतरंग तस्वीरें ले लीं, जिनका इस्तेमाल वह उसे इस्लाम में परिवर्तित होने के लिए ब्लैकमेल करने के लिए करता था।

मणिपुर में 11 बूथों पर दोबारा हो रही वोटिंग, पहले चरण में हिंसा के कारण चुनाव आयोग ने लिया था फैसला

(आधुनिक समाचार सेवा)
इम्फाल (मणिपुर)। पूर्वोत्तर राज्य के आंतरिक-मणिपुर संसदीय क्षेत्र के 11 मतदान केंद्रों पर सोमवार को पुनर्मतदान शुरू हुआ। मतदान के दौरान हुई हिंसा के बाद चुनाव एएनआई को बताया, ठहम मतदान करने आए हैं। यहां पुनर्मतदान हो रहा है। सुरक्षा बढ़ा दी गई है।जिन मतदान केंद्रों पर दोबारा मतदान कराया जाएगा, उनमें खुरई निर्वाचन क्षेत्र के मोइरंगकम्पु साजेब और

आयोग ने 11 बूथों पर दोबारा वोटिंग का आदेश दिया था।19 अप्रैल को मणिपुर के 11 मतदान केंद्रों से हिंसा की घटनाएं सामने आने के बाद चुनाव आयोग ने पुनर्मतदान का आदेश दिया था। जिसके बाद आज यानि 22 अप्रैल को एक बार फिर इन मतदान केंद्रों पुनर्मतदान शुरू हो चुका है। वहीं बाहरी मणिपुर के शेष 13 खंडों के लिए मतदान दूसरे चरण में 26 अप्रैल को होगा। वोटों की गिनती 4 जून को होगी।शुक्रवार (19 अप्रैल) को लोकसभा चुनाव के पहले चरण के दौरान कुछ उपद्रवियों ने कथित तौर पर इन मतदान केंद्रों पर गोलीबारी की थी और ईवीएम को भी नष्ट कर दिया था। किसी भी दुर्घटना से बचने के लिए सभी मतदान केंद्रों पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। एक स्थानीय ने न्यूज एजेंसी थोंगम लीकाई, क्षेत्रीगाओ के चार और इंफाल पूर्वी जिले के थोंगजू में एक तथा उरीपोक में तीन एवं इंफाल पश्चिम जिले के कोंथौजम में एक मतदान केंद्र शामिल है। 19 अप्रैल को हुई हिंसा की घटनाओं में लोकसभा चुनाव में वोटिंग के दौरान फायरिंग के बाद एक नागरिक के घायल होने की खबर आई और मणिपुर के इंफाल के मोइरंगकम्पु सजेब अवांग लीकाई में एक मतदान केंद्र पर झड़प की खबर सामने आई थी। आंतरिक मणिपुर संसदीय क्षेत्र के सभी 32 विधानसभा क्षेत्रों और बाहरी मणिपुर (एसटी) संसदीय क्षेत्र के 15 विधानसभा क्षेत्रों में लोकसभा के लिए मतदान हुआ। बाहरी मणिपुर के शेष 13 खंडों के लिए मतदान दूसरे चरण में 26 अप्रैल को होगा। वोटों की गिनती 4 जून को होगी।

12वीं के बाद एलएलबी तीन साल की हो, इस मांग पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। बारहवीं के बाद सीधे तीन साल का एलएलबी कोर्स कराए जाने की मांग पर सुप्रीम कोर्ट सोमवार को सुनवाई करेगा। सुप्रीम कोर्ट में दाखिल जनहित याचिका में सनतक और एलएलबी के पांच साल के इंटीग्रेटेड कोर्स को अतार्किक कहा गया है। याचिकाकर्ता का कहना है कि जैसे बारहवीं के बाद बेचलर आफ साइंस (बीएससी), बेचलर आफ आ?ट्र्स (बीए) आदि सनतक डिग्रियां होती हैं वैसे ही एलएलबी होना चाहिए। यह जनहित याचिका सुप्रीम कोर्ट के वकील अश्वनी कुमार उपाध्याय ने दाखिल की है जिस पर सोमवार को प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ सुनवाई करेगी। याचिका में उपाध्याय ने मांग की है कि केंद्र सरकार और बार काउंसिल आफ इंडिया को निर्देश दिया जाए कि वे बारहवीं के बाद तीन साल का एलएलबी कोर्स कराने की संभावनाएं तलाशने के लिए एक विशेषज्ञ समिति गठित करें। यह जनहित याचिका सुप्रीम कोर्ट के वकील अश्वनी कुमार उपाध्याय ने दाखिल की है जिस

पर सोमवार को प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ सुनवाई करेगी। याचिका में उपाध्याय ने मांग की है कि केंद्र सरकार और बार काउंसिल आफ इंडिया को निर्देश दिया जाए कि वे बारहवीं के बाद तीन साल का एलएलबी कोर्स कराने की संभावनाएं तलाशने के लिए एक विशेषज्ञ समिति गठित करें। दूसरी मांग है कि केंद्र सरकार, बार काउंसिल ऑफ इंडिया और नेशनल ला यूनीवर्सिसटी संघ को निर्देश दिया जाए कि वे कानून के क्षेत्र में बेस्ट टैलेंट को आकर्षित करने और त्वरित न्याय का अधिकार व निष्पक्ष ट्रायल सुनिश्चित करने के लिए एक विस्तृत रोडमैप तैयार करें। याचिका में नेशनल ला यूनीर्वसिटीज के पांच साल के बीए-एलएलबी और बीबीए-एलएलबी के कोर्स को अतार्किक बताते हुए कहा गया है कि जब आइआइटी से चार साल में बीटेक होता है तो छात्रों को बीए- एलएलबी और बीबीए-एलएलबी का पांच साल का कोर्स कराने की क्या जरूरत है उन्हें एलएलबी से असंबंद्ध आर्ट और कामर्स का अतिरिक्त ज्ञान देने की क्या जरूरत है।याचिकाकर्ता का कहना है कि लंबा और बहुत ज्यादा कोर्स छात्रों को कानून की पढ़ायी के प्रति हतोत्साहित करता है। मेधावी और बहुत गरीब बच्चे इसके बजाए इंजीनियरिंग, सिविल सर्विसेज या कोई और कोर्स चुनते हैं।

अवैध अंग प्रत्यारोपण करने वाले अस्पताल पर कार्रवाई करें', सरकार का सभी राज्यों को निर्देश

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से अवैध अंग प्रत्यारोपण कार्रवाई करने को कहा है। हरियाणा और राजस्थान में हुए अवैध अंग प्रत्यारोपण के रैकेट की जानकारी सार्वजनिक होने के बाद भी होने चाहिए। हरियाणा और राजस्थान में हुए अवैध अंग प्रत्यारोपण के रैकेट की जानकारी सार्वजनिक होने के बाद स्वास्थ्य

करने वाले अस्पतालों के खिलाफ उचित कार्रवाई करने को कहा है। इसमें अस्पतालों का रजिस्ट्रेशन निलंबित करना भी शामिल है। भारत सरकार के स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशक डा. अतुल गोयल ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को इस संबंध में पत्र लिखा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से अवैध अंग प्रत्यारोपण करने वाले अस्पतालों के खिलाफ उचित स्वास्थ्य मंत्रालय ने आदेश जारी किया है। भारत सरकार के स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशक डा.अतुल गोयल ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को इस संबंध में पत्र लिखा है। इस पत्र में डा. गोयल ने कहा है कि अंग प्रत्यारोपण के सभी आंकड़े मासिक आधार पर राष्ट्रीय अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठन के साथ साझा किए जाने चाहिए। इनमें देश के नागरिकों के साथ ही विदेशी नागरिकों के आंकड़े मंत्रालय ने यह आदेश जारी किया है। इस रैकेट में बांग्लादेश के लोग भी शामिल थे। चार अप्रैल को सीएम फ्लाइंग दस्ता, गुरुग्राम स्वास्थ्य विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने जयपुर के दो निजी अस्पतालों में पैसे लेकर किडनी ट्रांसप्लांट कराने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया था। अधिकारियों ने बताया कि इस रैकेट का भंडाफोड़ गुरुग्राम के एक होटल में छापेमारी के बाद हुआ था। होटल में एक बांग्लादेशी नागरिक पाया गया था।

'आईएनडीआईए के पास देश के लिए कोई विजन नहीं'

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने रांची में आयोजित विपक्षी गठबंधन आईएनडीआईए की रैली की आलोचना करते हुए रविवार को कहा कि इसका आयोजन संविधान बचाने के लिए नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार को बचाने के लिए किया गया है। पूनावाला ने कहा, आईएनडीआईए के पास देश के लिए कोई विजन नहीं है। वहां सिर्फ भ्रम, महत्वाकांक्षा और विभाजन की राजनीति है। भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने रांची में आयोजित विपक्षी गठबंधन आईएनडीआईए की रैली की आलोचना करते हुए रविवार को कहा कि इसका आयोजन संविधान बचाने के लिए नहीं बल्कि भ्रष्टाचार को बचाने के लिए किया गया है। पूनावाला ने कहा आईएनडीआईए के पास देश के लिए कोई विजन नहीं है। वहां सिर्फ भ्रम महत्वाकांक्षा और विभाजन की राजनीति है।चुनाव से पहले विपक्ष की एकता पर हमला बोलते हुए

अविनाश चंद्र पुलिस महानिदेशक अग्निशमन सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में चर्चा किये

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज । अविनाश चंद्र पुलिस महानिदेशक अगिन्शमन तथा आपात सेवा उत्तर प्रदेश द्वारा फायर स्टेशन सिविल लाइन प्रयागराज पँमें सभी वाले भवनों के संबंध में समीक्षा किए। डॉ आर के पांडेय मुख्य अगिन्शमन अधिकारी ने बताया कि स्कीम कार्यक्रम के तहत 2 वर्षों में 4800 भावनाओं जिसमें बहुमंजली भवन / माल / इलाहाबाद, श्री सिया शरण सिंह मेजा फायर स्टेशन, श्री चंद्रकांत त्रिपाठी प्रभारी अगिन्शमन केंद्र बारा, श्री राजेश कुमार सिंह प्रभारी अगिन्शमन केंद्र कोरांव, श्री

फायर स्टेशन प्रभारी की अगिन्शमन सुरक्षा व्यवस्था और प्रदेश में अगिन्कांड की ग्रामीण क्षेत्रों में गेहूं के खेत की आग बढ़ती घटनाओं में अगिन्शमन के कार्यों की समीक्षा किए इसके अतिरिक्त स्कूल /हॉस्पिटल / हाई राइज बिल्डिंग /होटल / मॉल की अगिन्शमन सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में चर्चा किये इसके पश्चात जनपद में स्कीम चलाये जाने की समीक्षा किए जिसमें अगिन्शमन नियमों का पालन न किये जाने वालों पर विधिक कार्यवाही किए जाने हेतु निर्देशित किये जनपद में अगिन निवारण एवं अगिन सुरक्षा अधिनियम -2005 के तहत विधिक कार्यवाही किए जाने अस्पताल /होटल/ गेस्ट हाउस /महाविद्यालय/स्कूल/ कॉलेज /दुकान /गैस एजेंसी / पेट्रोल पंप मे लगभग 210000 व्यक्तियों को प्रशिक्षण दिया गया। समीक्षा बैठक में डॉक्टर आर के पांडेय,मुख्य अगिन्शमन अधिकारी प्रयागराज श्री अवध नारायण प्रभारी अगिन्शमन अधिकारी सिविल लाइन,श्री महंथू चौधरी प्रभारी अगिन्शमन अधिकारी नैनी, श्री रमई राम प्रभारी अगिन सामान अधिकारी सोरांव, श्री धर्मेंद्र कुमार यादव प्रभारी अगिन्शमन अधिकारी माननीय हाईकोर्ट इलाहाबाद, श्री जितेंद्र कुमार चौरसिया अगिन्शमन द्वितीय अधिकारी माननीय हाईकोर्ट सुधीर सिंह प्रभारी अगिन्शमन केंद्र हंडिया प्रयागराज उपस्थित रहे। पुलिस महानिदेशक महोदय द्वारा 14 अप्रैल से 20 अप्रैल तक अगिन सुरक्षा सप्ताह पर अगिन्शमन तथा आपात सेवा द्वारा किए गए प्रशिक्षण, जन जागरूकता अभियान ग्रामीण क्षेत्र में जन जागरूकता अभियान की समीक्षा किए। जनपद में प्रत्येक ब्लॉक में 100 -100 अगिन सचेतक बनाए गए हैं उनको प्रत्येक फायर स्टेशन में पुनः प्रशिक्षण दिए जाने हेतु निर्देशित किये जनपद में कुल 23 ब्लॉकों में बनाए गए 2300 अगिन सचेतकों के द्वारा किए गए कार्यों की सभी प्रभारी द्वारा समीक्षा किए जाने हेतु निर्देशित किये।

शिव शक्ति शिखर रमण फाउण्डेशन द्वारा आर ए मेमोरियल जूनियर हाईस्कूल में वार्षिकोत्सव समारोह का आयोजन किया गया

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज । प्रयागराज शिव शक्ति शिखर रमण फाउण्डेशन द्वारा आर ए मेमोरियल जूनियर हाईस्कूल में वार्षिकोत्सव समारोह विश्वकर्मा को विजेता के रूप में एक साइकिल दिया गया।कार्यक्रम के अन्य अतिथियों में कर्नलगंज के वरिष्ठ पार्षद आनंद घिल्डियाल, माननीय उच्च न्यायालय के वरिष्ठ

का आयोजन किया गया।कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रिटायर्ड जस्टिस श्रीमती विजय लक्ष्मी जी रही। फाउंडेशन के द्वारा कुछ विद्यालयों के बच्चों के बीच में प्रतियोगिता आयोजित कराई गई थी।इस प्रतियोगिता में जो बच्चे प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे उनको शिखर रमण फाउण्डेशन द्वारा सम्मानित किया गया।रिटायर्ड जस्टिस विजय लक्ष्मी के द्वारा मीनाक्षी विश्वकर्मा को प्रथम पुरस्कार व खुशी भारतीय को द्वितीय पुरस्कार दिया गया। मीनाक्षी अधिवक्ता देवर्षि, एडवोकेट अश्विनी कुमार जी रहे।बच्चों ने रंगारंग प्रस्तुतियां प्रस्तुति की। मुख्य अतिथि महोदया ने बच्चों को आर्शीवाद दिया कि ऐसे ही आप सब मन लगा कर पढ़ें ताकि देश के विकास में अपना बहुमूल्य योगदान कर सकें,फाउण्डेशन के अध्यक्ष शिखर रमण जी ने कहा कि हम ऐसे आयोजन हमेशा कराते रहेंगे जिससे बच्चों के व्यक्तित्व का विकास होता रहे। कार्यक्रम में स्कूल के स्टाफ के साथ बच्चों के माता पिता भी शामिल रहे।

गौतम बुद्ध नगर लोकसभा में खुलेआम हो रही है लोकतंत्र की हत्या

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा। नोएडा मीडिया क्लब सेक्टर 29 गंगा शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में समाजवादी पार्टी (सपा) नोएडा महानगर के महानगर अध्यक्ष डॉक्टर आश्रय गुप्ता ने प्रेस वार्ता की। उन्होंने एक पत्र लिखकर जिला निर्वाचन अधिकारी गौतमबुधनगर मनीष कुमार वर्मा से यह मांग की है कि जिस तरीके से दादरी विधानसभा में भाग संख्या 18 और 18अ अन्य भारी संख्या में एक से अधिक मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में शामिल है। एक ही नाम की कई वोटर कार्ड संख्या शामिल है। तथा इनमें पता भी एक है। जिसके कारण एक से अधिक वोट बन गई है। उन्होंने कहा कि उनको सूचना प्राप्त हुई है कि बीएलओ ने सही तरीके से अपने बूथ की जांच नहीं की है। या फर्जी वोट डलवाने की बड़ी साजिश रची जा रही है।

जीएल बजाज संस्थान में दीक्षान्त समारोह का आयोजन

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा। नोएडा स्थित जीएल बजाज इन्स्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेण्ट एण्ड रिसर्च (पीजीडीएम इन्स्टीट्?यूट) में पीजीडीएम बैच 2021-23 के छात्रों एडवाइजरी बोर्ड के सदस्य भी उपस्थित रहे। दीक्षांत समारोह में पीजीडीएम के छात्रों को डिप्लोमा के साथ-साथ शैक्षणिक उत्कृष्टता हेतु मेडल एवं प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित छात्रों को अपने व्यावसायिक जीवन में तर्कसंगत एवं सम्बन्ध परक होने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि छात्र दुनिया के लिए प्रासंगिक रहें और हमेशा नई चीजों को सीखने

के दीक्षांत समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि एनईटीएफ के चेयरमैन प्रोफेसर अनिल सहस्त्रबुद्धे एवं सम्मानीय अतिथि के रूप में सी-डाट के चीफ एक्सिक्यूटिव ऑफिसर डॉ0 राजकुमार उपाध्याय ने भाग लेकर छात्रों को संबोधित किया। दीक्षांत समाहरोह में इण्टरनेशनल कॉलेज कीर्क विश्वविद्यालय थाईलैण्ड के एसोसिएट डीन एवं डायरेक्टर प्रोफेसर जान वाल्स विशेष अथिति रहे। जीएल बजाज शैक्षणिक संस्थान के वाइस चेयरमैन पंकज अग्रवाल एवं संस्थान की निदेशिका डॉ0 सपना राकेश और ग्रेटर नोएडा के शैक्षणिक संस्थानों के विद्वानों के अतिरिक्त जीएलबीआईएमआर के बोर्ड आफ गर्वनर्स एवं अकेडमिक किया गया। पीजीडीएम बैच 2021-23 में शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए प्रिथा चौबे, ज्योति अग्रहरी एवं स्वेता को क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान हेतु स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक से सम्मानित किया गया। मेडल के अतिरिक्त क्रमशः 15 हजार,10 हजार और 5 हजार रूपये नकद पुरस्कार के रूप में भी दिये गए। पीजीडीएम के सभी स्पेशलाइजेशन के टापर्स सहित कुल 143 छात्रों सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। दीक्षान्त समारोह के मुख्य अतिथि प्रोफेसर अनिल सहस्त्रबुद्धे ने अपने संबोधन में कहा कि छात्रों में अच्छी कार्य नैतिकता होनी चाहिए एवं अपने जीवन में सभी प्रकार के अनुशासनों का पालन करना चाहिए। डॉ0 राजकुमार उपाध्याय ने कहा कि के लिए तत्पर रहें। संस्थान के वाइस चेयरमैन पंकज अग्रवाल ने सभी अतिथियों एवं अभिभावकों को इस समारोह में सम्मलित होने के लिए आभार व्यक्त किया और छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि सीखना एक सतत प्रक्रिया है एवं जहाँ से भी हमें ज्ञान मिले ले लेना चाहिए। पीजीडीएम संस्थान की निदेशिका डॉ सपना राकेश ने छात्रों को शैक्षणिक अवधि को पूर्ण करने एवं सम्मानित होने के लिए बधाई दी। दीक्षान्त समारोह में छात्रों के अतिरिक्त अभिभावको ने भी भाग लिया। गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी दीक्षांत समारोह में अधिकतम छात्रों की उपस्थिति रही। समारोह के उपरान्त छात्रों ने डीजे का भरपूर आनन्द उठाया।

कंपोजिट विद्यालय में चोरों ने की चोरी

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। प्रधानाचार्य ने कोतवाली में एप्लीकेशन देकर दी जानकारी सदर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पंचायत पेटही पांडेय का मामला सदर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पंचायत पेटही पांडेय मैं कंपोजिट विद्यालय तिलौली परिसर में चोरों द्वारा बीते 15 तारीख को विद्यालय परिसर में घुसकर गैस सिलेंडर बर्तन वास अन्य सामग्री चोरी की गई वहीं ऑफिस में रखे अलमारी तोड़ते हुए अन्य सामाग्रों की भी क्षतिग्रस्त किए गए प्रधानाचार्य सुशील ने बताया कि संबंधित मामले में ग्राम प्रधान को भी अवगत करा दिया गया है विद्यालय परिसर के सामग्री क्षतिग्रस्त व सामान चोरी संबंधित मामले दर्ज कराकर संबंधितों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई करने को प्रार्थना पत्र ग्राम प्रधान को भी दे दिया गया है।

थाना चुनार पुलिस द्वारा युवती को शादी का झासा देकर दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)
मीरजापुर। थाना चुनार, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 19.04.2024 को चुनार क्षेत्रांतर्गत निवासिनी एक महिला द्वारा नामजद अभियुक्त के विरूद्ध वादी के साथ शादी का झासा देकर दुष्कर्म करने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई । जिसके आधार पर थाना चुनार पर मु0अ0सं0-128/2024 धारा 376,506 भादवि पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई । पुलिस अधीक्षक मीरजापुर 'अभिनन्दन' द्वारा उक्त घटना को गंभीरता पूर्वक लेते हुए अभियुक्त की गिरफ्तारी करने हेतु प्रभारी निरीक्षक थाना चुनार को निर्देश दिए गए । उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना चुनार पर पंजीकृत उपरोक्त अभियोग की विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में आज दिनांकः 21.04.2024 को निरीक्षक रामदुलार यादव मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना चुनार क्षेत्र से सम्बन्धित अभियुक्त अनिल साहनी उर्फ गुन्जे पुत्र स्व0 लालता साहनी निवासी गंगापुर थाना चुनार जनपद मीरजापुर को अंतर्गत धारा 376,506 भादवि में गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तार अभियुक्त के विरूद्ध नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

अप्रैल फेयर दिल्ली 2024 के दूसरे दिन जबरदस्त भीड़

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा। अप्रैल फेयर दिल्ली 2024 के दूसरे दिन विदेशी और घरेलू वॉल्यूम खरीदारों की उपस्थिति में पहले दिन की अपेक्षा वृद्धि देखी गई। इसके साथ ही अरब, म्यांमार, सूरीनाम और अन्य राष्ट्रों के राजदूतों के साथ कई गणमान्य व्यक्तियों ने अप्रैल फेयर दिल्ली में शिरकत की। यहां उपस्थित प्रतिभागियों के खूबसूरती से सजाए गए स्टॉल्स ने खरीदारों के समूह को आकर्षित किया। ई-कॉमर्स क्रॉस-बॉर्डर कॉन्क्लेव में लोगों ने गहरी रुचि दिखाई। विशेष रूप से क्रॉस-बॉर्डर ई-कॉमर्स में विस्तार करने के इच्छुक व्यवसायों के लिए बाजार पहुंच बढ़ाने पर आयोजित एक सत्र ने बड़ी संख्या में दर्शकों को आकर्षित किया, जो ई-कॉमर्स में विक्रेताओं की उच्च स्तर की भागीदारी और रुचि को दर्शाता है। मेले में अब तक 1,100 से अधिक लोग शामिल हो चुके हैं, जिनमें अंतरराष्ट्रीय और घरेलू खरीदार, खरीद एजेंट, खुदरा विक्रेता और कॉपीरेट प्रतिनिधि शामिल हैं।भारत सरकार में विदेश व्यापार के उप महानिदेशक श्री मोहम्मद मोइन अफाक ने ई-कॉमर्स के कई लाभों पर प्रकाश डाला, जिसमें बड़े अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंच और प्रत्यक्ष रूप से उपभोक्ताओं तक पहुंचने और बिक्री के द्वारा बेहतर लाभ अर्जित करना शामिल है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वैश्विक पहुंच न केवल ब्रांड की दृश्यता और पहुंच बढ़ाती है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों और नवीनतम रुझानों के बारे में जागरूकता भी बढ़ाती है। श्री मोहम्मद मोइन अफाक ने उद्यमियों को ई-कॉमर्स जुड़कर घरेलू बाजार की अस्थिरता को कम करने की क्षमता पर ज़ोर किया, और सीमा पार ई-कॉमर्स गतिविधियों को समर्थन और सुविधा प्रदान करने के लिए नामित ई-कॉमर्स एक्सपोर्ट हब (ईसीईएच) के निर्माण का प्रस्ताव रखा। श्री दिलीप बैद ने मल्टी-मॉडल ई-कॉमर्स रणनीतियों पर चर्चा करते हुए वेयरहाउसिंग समाधानों को एकीकृत करने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। उन्होंने ई-कॉमर्स उद्योग के सामने आने वाली चुनौतियों को रेखांकित किया और व्यापक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए उद्यमियों और स्टार्टअप को इन नए वाणिज्य प्लेटफार्मों को अपनाने के महत्व पर जोर दिया।इंडिया एक्सपोजिशन मार्ट लिमिटेड के निदेशक श्री मुकेश गुप्ता ने कहा कि ई-कॉमर्स कॉन्क्लेव सरकार, आपूर्तिकर्ताओं, खरीदारों, लॉजिस्टिक्स और वित्तीय क्षेत्रों के बीच एक महत्वपूर्ण पुल के रूप में कार्य करता है। उन्होंने कहा कि सरकार की कोशिशों को प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचाया जा रहा है, और सरकारी हस्तक्षेप की आवश्यकता पर कार्रवाई किए जाने के वादे के साथ यह कॉन्क्लेव सफल रहा है।कॉन्क्लेव में ई-टेल बनाम रिटेल में ग्राहकों की प्राथमिकताओं और सीमा पार ई-कॉमर्स में सफल होने की रणनीतियों जैसे कई विषयों पर भी चर्चा की गई, जिसके साथ कई अन्य सत्र भी आयोजित किए गए। चर्चाओं के अलावा, विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा पांच अन्य सत्र और कार्यशालाएं भी आयोजित की गईं।अप्रैल फेयर दिल्ली 2024 का दूसरा दिन आकर्षण से भरा हुआ था, जिसमें केवल 45 दिनों में इस महत्वपूर्ण मेले के आयोजन में उनके अनुकरणीय प्रयास के लिए टीम मार्ट प्रमोशन को पुरस्कार प्रदान किया गया। अप्रैल फेयर दिल्ली 2024 के दूसरे दिन ने पहले दिन की सफलता को आगे बढ़ाते हुए इसके महत्व को अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कैलेंडर में एक आकर्षण के तौर पर रेखांकित किया।

विक्षिप्त अधेड़ ने खाया जहरीला पदार्थ मौत

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। सदर कोतवाली क्षेत्र के मुसही चुर्क निवासी 55 वर्षी विक्षिप्त अधेड़ ने घर से एक किलोमीटर दूर झाड़ियां में जाकर जहरीले पदार्थ खाने के बाद पशु चरा रहे चरवाहों ने देखा इसकी सूचना परिजनों को दिया मौके पहुंचे परिजन आनंद फाइनल में उपचार के लिए जिला अस्पताल लाया

का किया सेवन मौत। जानकारी के अनुसार महेश उम्र 55 वर्षिय पिता स्व गया प्रशाद निवासी मुसही सोमवार की सुबह घर से 8 बजे निकले डालने घूमते रहते हुए घंटे तक घर वापस नहीं आए तो परिजनों ने जब खोज बिन सुरु किया तो घर से एक किलोमीटर सिवान में झाड़ियों के पीछे जहरीले जहां चिकित्सकों ने उन्हें देखते ही मृत घोषित कर दिया उधर परिजनों ने बताया कि दिमाग की हालत कुछ ठीक नहीं थी इधर भी चिड़चिड़ा पन था किन कारणों से जहरीले पदार्थ का सेवन किया है यह पता नहीं चल सका उधर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया ।

अनुपस्थिति पर एक दिवस वेतन डीएम ने रोका

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद। बैठक में अनुपस्थित रहने पर अधिशासी अभियन्ता विद्युत वितरण खण्ड राबर्ट्सगंज का एक दिवस के वेतन भुगतान पर लगी रोक वही जिला निर्वाचन अधिकारी चन्द्र विजय सिंह ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में लोक सभा सामान्य निर्वाचन,2024 को निष्पक्ष, सकुशल व शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के मकसद से जिले के समस्त मतदेय स्थलों पर सुनिश्चित न्यूनतम सुविधायें पूर्ण कराने हेतु समीक्षा बैठक किये। जिला निर्वाचन अधिकारी ने सम्बन्धित को निर्देशित करते हुए कहा कि मतदान बूथ वाले विद्यालयों में आवागमन के दृष्टिगत रास्तों को ठीक करा लिया जाये, ताकि मतदाताओं के साथ ही वाहनों के आने-जाने में किसी प्रकार की समस्या न होने पाये, बूथों पर पीने के पानी की व्यवस्था, शौचालय, फर्नीचर आदि व्यवस्थाओं को मतदान दिवस के पहले ही सुचारू रूप से पूर्ण करा लिया जाये, इस कार्य में सम्बन्धित विभाग आपसी समन्वय स्थापित करते हुए पूरी क्षमता के साथ लगकर निर्वाचन से जुड़े कार्यों को समय से पूरा कर लें, जिससे लोक सभा सामान्य निर्वाचन, 2024 को सकुशल, निष्पक्ष व पारदर्शिता के साथ सम्पन्न कराया जाये सके और इसमें किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाये। बैठक के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने बैठक में अनुपस्थित रहने पर अधिशासी अभियन्ता विद्युत वितरण खण्ड राबर्ट्सगंज के एक दिवस के वेतन आहरित करने पर रोकने के निर्देश सम्बन्धित को दियें। बैठक के दौरान उन्होंने निर्वाचन कार्य को सम्पन्न कराने हेतु सम्बन्धित अधिकारी को सौंपें गये कार्यों के प्रगति की बारी-बारी से बिन्दुवार समीक्षा की और सम्बन्धितों को आवश्यक दिशा-निर्देश देने के साथ ही मतदान दिवस के पहले ही अपनी पूरी तैयारी पूर्ण करने के निर्देश दियें। उन्होंने जिला विद्यालय निरीक्षक व जिला बेसिक शिक्षा के स्कूलों में स्थापित बूथों पर विद्युत व्यवस्था, शौचालय, रैम्प आदि व्यवस्था पूर्ण कर ली गयी है, के सम्बन्ध में प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के निर्देश भी दियें, ताकि मतदान दिवस के दिन मतदाताओं व कार्मिकों को अव्यवस्था का सामना न करना पड़ें।

थाना मडिहान पुलिस द्वारा अवैध तमंचा के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)
मीरजापुर। पुलिस अधीक्षक मीरजापुर ठअभिनन्दनठ द्वारा आगामी लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 तथा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही व अवैध असलहा/शस्त्रों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान में प्रभावी कार्यवाही करने हेतु जनपद के समस्त थाना प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षगण को निर्देश दिये गये है । उक्त निर्देश के अनुक्रम में आज दिनांकः 21.04.2024 को उ0नि0 भारत भूषण सिंह मय पुलिस टीम क्षेत्र में भ्रमणशील थीं कि इस दौरान थाना क्षेत्र से संदिग्ध व्यक्ति अरूण कुमार पुत्र मिठाई लाल निवासी भदौहा थाना मडि़हान जनपद मीरजापुर को एक अदद नाजायज 315 बोर देशी तमंचा व 02 अदद जिन्दा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया । उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना मडि़हान पर मु0अ0सं0-90/24 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत किया गया । गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

शॉपिंग बाजार के खिलाफ कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। सदर कोतवाली क्षेत्र के नवीन मंडी के समीप रविवार को उपचार के दौरान मेरे बेटे 25 वर्षिय सोनू निवासी बेलाव डोहरी थाना शाहगंज की मौत हो गई। पिता ने

शॉपिंग बाजार के कर्मचारियों द्वारा अपने साथी की मौत के बाद कर बहिष्कार करते हुए मैनेजर के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए थाने में दी तहरीर मामला दर्ज। शाहगंज थाना क्षेत्र निवासी शिवराम ने बताया कि रावटसगंज कोतवाली क्षेत्र के नवीन मंडी के समीप एक शॉपिंग बाजार में मेरे बेटे नौकरी करता था जो वहां के मैनेजर द्वारा ड्यूटी के घंटे बाद छोड़ने को पतारण करने जैसे मामले प्रकाश में आए थे हालांकि हम लोग द्वारा इगनेर किया कर जा रहा था पुणे रविवार को लेट से ड्यूटी से छोड़ने पर घर आ रहे सोनू की जैत गांव के समीप बाइक बाइक में हुई दुर्घटना से घायल आसपास लोगों द्वारा जिला अस्पताल भिजवाया गया जहां आरोप लगाया कि मैनेजर के उत्पीड़न के कारण बेटे की मौत हुई है जिसको लेकर थाने पर एप्लीकेशन दिया गया है वही मामले में गंभीरता दिखाते हुए कर्मचारियों द्वारा रविवार को शॉपिंग बाजार के बाहर विरोध प्रदर्शन करते हुए कर बहिष्कार किया गया पुलिस द्वारा समझा बूझकर मामले को शांत कराया गया फिर मामले में पुलिस द्वारा संबंधितों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई करने का भरोसा दिलाया गया तब लोगों ने धरना प्रदर्शन समाप्त किया। वही सोनू के साथ बाइक से जा रहे रतन्श कुमार भारहुआ गांव निवासी थाना शाहगंज घायल हो गए जिनका दवाई इलाज जिला अस्पताल में कराया जा रहा है

जिलाधिकारी ने संचारी रोग के तहत चलाये जा रहे विभिन्न गतिविधियों के बारे में बैठककर ली जानकारी

(आधुनिक समाचार सेवा)
मीरजापुर। एक अप्रैल 2024 से संचारी रोग अभियान एवं 10 अप्रैल 2024 से चलाये जा रहे दस्तक के आस पास कीटनाशक दवाओं का छिड़काव सुनिश्चित करा लें। उन्होने कहा कि प्रत्येक विकास खण्डो में डेंगू प्रभावित क्षेत्रो को करे। उन्होने सभी एम0ओ0आई0सी0 को निर्देशित करते हुये कहा कि अपने क्षेत्रो में प्रत्येक दिन कम से कम दो

अभियान के तहत किए जा रहे कार्यो के प्रगति की जानकारी के दृष्टिगत जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन व मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार व स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर बिन्दुवार समीक्षा की। जिलाधिकारी ने कहा कि संचारी रोग अभियान के तहत ए0डी0ओ0 पंचायत प्राथमिकता के आधार पर अपने गांव में सफाई अभियान, झाड़ियों आदि का कटाव, तालाबो व नालियों चिन्हित कर एवं अन्य हाई रिस्क वाले क्षेत्रो तथा मलिन बस्तियों, प्राथमिक विद्यालयों पंचायत भवनों आदि स्थलों को चिन्हित करते हुये फागिंग व अन्य कीटनाशक दवाओं का छिड़काव सुनिश्चित करायें। उन्होने कहा कि दस्तक अभियान के तहत सभी ए0डी0ओ0 पंचायत ग्राम पंचायतों तथा वाडी में अधिशासी अधिकारी एन्टी लार्वा का छिड़काव कराना भी सुनिश्चित गावों में आशा, आगंनबाड़ी और ए0एन0एम0 के साथ भ्रमण करे तथा दस्तक अभियान व संचारी रोग अभियान के उद्देश्य व महत्व व बचाव के बारे में जानकारी दे। उन्होने कहा कि प्रगति न लाने वाले विभागो/नोडल अधिकारियों पर कार्यवाही होगी। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 सी0एल0 वर्मा, सहित सभी सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत

(आधुनिक समाचार सेवा)
सलखन सोनभद्र। चोपन थाना क्षेत्र के पटवध गांव के टोला रानीडीह में निर्माणाधीन पानी टंकी में गिरकर एक युवक की मौत हो गई। सुचना पर पहुंची चोपन पुलिस शव को कब्जे में लेकर अग्रिम विधिक कार्यवाही में जुट गई। जानकारी के मुताबिक लोकेश पांडेय पुत्र नंदलाल पाण्डेय उम्र लगभग 31 वर्ष ग्राम रजहारा पलामू झारखंड का रहने वाला था जो रानीडीह में बन रहे हर घर जल योजना अंतर्गत पानी टंकी के निर्माण कार्य में कार्य करता था आज सोमवार को सुबह वह संदिग्ध परिस्थितियों में पानी में गिर गया जिसके बाद उसकी मौत हो गई काफी देरी के बाद कंपनी के लोगों को जब पता चला तो पुलिस को सूचना दी गई साथ ही मृतक के परिजनों को सुचना दी गई परिजनों के पहुंचने के पश्चात पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है।

लोकसभा सामान्य निर्वाचन के दृष्टिगत जनपद में आने वाले फोर्स के रूकने की हो समुचित व्यवस्था

(आधुनिक समाचार सेवा)
मीरजापुर। मीरजापुर 22 अप्रैल 2024- जनपद में आगामी एक जून 2024 को लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 होना निर्धारित हैं। निर्वाचन को निष्पक्ष, शान्तिपूर्ण ढंग कालेज स्कूलों के प्रबन्धको व प्रधानाचार्यों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि फोर्स के रूकने के लिये चिन्हित सभी विद्यालयों में जनरेटर चालू हालत

से सम्पनन्न कराने के दृष्टिगत बाहरी जनपदो से आने वाले पुलिस, पी0ए0सी0, होमगार्ड, पैरा मिलिट्री फोर्स व अन्य फोर्स के रूकने की व्यवस्था को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी प्रियंका निरंजन व पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन ने आज जनपद के चिन्हित इण्टरमीडिएट व डिग्री में हो तथा विद्यालयों के शौचालय यदि गड़बड़ हो तो प्रबन्धक उसे सही करा लें। उन्होने बैठक में उपस्थित मुख्य राजस्व अधिकारी व जिला विद्यालय निरीक्षक से कहा कि सभी विद्यालयों में उपलब्ध शौचालयों की संख्या तत्काल प्राप्त कर ले तथा यदि वहां पर रूकने वाले फोर्स की संख्या के सापेक्ष और शौचालय की आवश्यकता हो तो जिला पंचायत राज अधिकारी के माध्यम से अस्थायी शौचालय बनवाना सुनिश्चित करे। उन्होने कहा कि पेयजल की व्यवस्था भी पर्याप्त उपलब्ध करायी जाए, सभी कमरो में प्रकाश व्यवस्था व पंखा उपलब्ध होने चाहिये यदि न हो तो स्कूल प्रबन्धक द्वारा इसे तत्काल सुनिश्चित कराया जाए। उन्होने कहा कि बाहर से आने वाले पुलिस फोर्स के रूकने के स्थान पर सभी जनपयोगी सुविधाए उपलब्ध होनी चाहियें। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जिन विद्यालयों में जनरेटर की व्यवस्था नही है वह स्कूल प्रबन्धक के द्वारा करा ली जाए। पुलिस व अन्य फोर्स के रूकने तक के लिये जनरेटर मे डीजल की व्यवस्था पुलिस विभाग द्वारा कराया जायेगा। इस अवसर पर मुख्य राजस्व अधिकारी सत्य प्रकाश सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक नितेश सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक नक्सल ओम प्रकाश सिंह, सभी क्षेत्राधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक अमरनाथ सिंह, व स्कूलो प्रबन्धक व प्रधानाचार्य उपस्थित रहें।

विश्व पृथ्वी दिवस बहुत ही धूमधाम से मनाया गया

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। दी आर्यस एकेडमी संत नगर रावटसगंज सोमवार को विद्यालय परिसर में विश्व पृथ्वी

दिवस बहुत ही धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम मां सरस्वती व दयानंद सरस्वती जी के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया गया। इसके पश्चात प्रधानाचार्य चित्रा जलान ने विद्यालय परिसर में एबीवीपी विभाग के संगठन मंत्री अनिल का स्वागत करते हुए बच्चों को पृथ्वी दिवस की जानकारी देने की बात की। मुख्य अतिथि अनिल जी ने बच्चों को पृथ्वी बचाओ के लिए ज्यादा से ज्यादा पौधा लगाओ। पेड़ मत काटो । जीव जंतुओं को दाना व पानी की व्यवस्था करो। प्लास्टिक का इस्तेमाल न करने की शपथ दिलावाई। प्लास्टिक के इस्तेमाल से तमाम बीमारियों के फैलने की बात की और बच्चों से अपने प्रत्येक जन्म दिवस पर एक पौधा अवश्य लगाओ व उसकी देखभाल भी करना आवश्यक है। बच्चों ने भी कई प्रशनें को उनके समक्ष रखा जिसका जवाब उन्होंने सादगी से समझाते हुए दिया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंध निदेशक विनोद कुमार जालान ने बच्चों को प्लास्टिक मुक्त भारत का सपना सच करने की बात कही व प्रदूषण से बचने के भी उपाय बताएं। कार्यक्रम का समापन प्रधानाचार्य चित्रा जलान ने अतिथियों को धन्यवाद व बच्चों को पृथ्वी बचाने के लिए तमाम जानकारियां देते हुए बच्चों से ज्यादा से ज्यादा पेड़ पौधे लगाने की बात कही आस-पास पड़ोस में भी पौधा लगाने की बात कही।

मध्य प्रदेश में सकुशल लोकसभा सामान्य निर्वाचन सम्पन्न कराने के लिये 480 जनपद के होमगार्ड रवाना

(आधुनिक समाचार सेवा)
मीरजापुर। मीरजापुर 22 अप्रैल 2024- लोकसभा सामान्य

निर्वाचन-2024 को उत्तर प्रदेश के अतिरिक्त मध्य प्रदेश में भी निष्पक्ष व शान्तिपूर्ण ढंग से चुनाव सम्पनन्न कराने के लिये आज जनपद के 480 होमगार्ड के जवान 16 बसों में बैठाकर रवाना किया गया। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने होमगाडी के बसो को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इसके पूर्व उन्होने सभी जवानो को सम्बोधित करते हुये कहा कि उत्तर प्रदेश व जनपद में अच्छा कार्य करने का यह परिणाम है कि जनपद मीरजापुर के होमगार्ड के जवानो को मध्य प्रदेश में भी शान्तिपूर्ण ढंग से चुनाव सम्पनन्न कराने की मांग की गयी हैं जिसके तहत 40 होमगार्ड जवान मध्य प्रदेश के सतना जनपद में तथा 440 होमागर्ड मध्य प्रदेश के पनन जनपद के लिये भेजा जा रहा हैं। उन्होने सभी होमागाडी को इस पुनीत कार्य के लिये बधाई देते हुये कहा कि वहां जाकर पूरी ईमानदारी व निष्ठा के साथ कार्य करे ताकि जनपद की छवि मध्य प्रदेश में भी अच्छी साबित हो। उन्होने कहा कि यदि किसी को किसी प्रकार की परेशानी या दिक्कत हो तो तत्काल होमगार्ड कमांडेड से वार्ता कर सम्पर्क कर सकते हैं।इस अवसर पर जिलाधिकारी द्वारा फरवरी माह में दुर्घटना घायल मृतक होमगार्ड प्रवेश कुमार पाण्डेय की पतने श्रीमती इंदिरासनी देवी को होमगार्ड विभाग की तरफ से तीस लाख का डेमो चेक प्रदान किया गया। जिलाधिकारी ने बताया कि यह धनराशि आर0टी0जी0एस0 के माध्यम से बैंक खाते में भेज दी जायेगी। इस अवसर पर जिला कमांडेड होमगार्ड बी0के0 सिंह उपस्थित रहें।

पृथ्वी को सुरक्षित रखना है तो प्लास्टिक उपयोग छोड़ना पड़ेगा

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनपरा (सोनभद्र)। हिण्डालको रेनूसागर पावर डिवीज़न प्लांट के

मुख्य द्वार पर विश्व पृथ्वी दिवस उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया , कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रेनूसागर पावर डिवीजन के यूनिट हेड आर पी सिंह ने उपस्थित सभी को विश्व पृथ्वी दिवस उत्सव की शुभकामनाये देते हुए कहा कि पृथ्वी सिर्फ मनुष्यों का ही नहीं, बल्कि करोड़ों जीव जंतुओं और वनस्पतियों का भी घर है,पेड़ पौधे पर्यावरण संतुलन के सबसे बड़े श्रोत हैं। वे ही जलवायु व मौसम को ठीक रखते है, वन्य जीवन को संरक्षण देते है, बाढ़ व भू आपदा को नियंत्रित करते हैं, भूकंप आने से रोकते है, हमें ऑक्सीजन, औषधि और भी बहुत कुछ देते हैं। यदि पृथ्वी को सुरक्षित रखना है तो प्लास्टिक का उपयोग हमें पूर्णतया छोड़ना ही होगा तथा ज्यादा से ज्यादा पौधरोपण कर पृथ्वी को हरा भरा बनाना होगा तभी हमारी पृथ्वी सुरक्षित रहेगी। इसी क्रम में एच आर हेड शैलेश विक्रम ने विश्व पृथ्वी दिवस उत्सव पर विस्तृत रूप से प्रकाश डालते हुए कहा कि पृथ्वी दिवस का उद्देश्य क्लाइमेट चेंज,ग्लोबल वार्मिंग,प्रदूषण और जैवविविधता संरछण के प्रति लोगो का धयान आकर्षित करना है हमें किसी भी कीमत पर हमें सिंगल यूज्ड प्लास्टिक कि खपत शून्य करने हेतु सभी को जागरूक करना होगा। ततपश्चात अधिकारियो,कर्मचारियों व विद्यालय के छात्र/छात्राएं सहित शिक्षक,प्राचार्य द्वारा बढ़ चढ़ कर सैकड़ो की संख्या में विश्व पृथ्वी दिवस उत्सव जागरूकताअभियान रैली निकली गई जो प्लांट मैन गेट से चलकर डी टाइप, राकेट पार्क,यूनियन ऑफिस होते हुए पूरे कॉलोनी का चक्रमण करते हुए वापस स्कूल प्रांगण में समाप्त हो गई। इसी क्रम में रेणुपावर प्राथमिक पाठशाला में प्रधानाध्यापिका डॉक्टर पूनम वार्ष्णेय के नेतृत्व में विश्व पृथ्वी दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि महिला दिशिता महिला मंडल की अध्यक्षा इंदू सिंह एवं सचिव कविता श्रीमाली तथा संयुक्त सचिव तूलिका श्रीवास्तव उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की शुरुआत बच्चों द्वारा अतिथियों के स्वागत गान से हुई। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण विश्व पर्यावरण दिवस 2024 की थीम ''प्लैनेट बनाम प्लास्टिकठ पर आधारित नुक्कड़ नाटक रहा। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि ठपृथ्वी को सुरक्षित रखना है तो प्लास्टिक का उपयोग हमें छोड़ना होगा इससे हमारी पृथ्वी सुरक्षित रहेगीठ। कार्यक्रम के अंत में बच्चों द्वारा रेनूसागर को प्लास्टिक विहीन रखने की शपथ ली गई।विश्व पृथ्वी दिवस उत्सव कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मननू अरोरा,मनीष सिंह, मृदुल भरद्वाज, प्रणव सोनी, ललित खुराना,समीर आनंद, संजय श्रीमाली,कुमार हर्षबर्धन, कर्नल जयदीप मिश्रा,सुधाकर अननमलाई,अजय मिश्रा आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सञ्चालन के के मौर्या ने किया।

रक्तदान से बढकर कोई मानव सेवा नहीं -आर पी सिंह

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनपरा (सोनभद्र)। हिंडाल्को रेणुसागर पावर डिवीज़न चिकित्सालय में स्वैच्छिक रक्तदान में सेवा भाव की भावना से ही समाज और राष्ट का कल्याण हो सकता है। रक्तदान शिविर में सम्मिलित हुए रक्तदाताओं को प्रोत्साहित करते

शिविर रीप्रिज़्म 2024 के तहत ब्लड डोनेशन कार्यक्रम आयोजित आयोजित किया गया, जिसमें कुल 85 महिला पुरुष रक्तदान दाताओं ने भीषण गर्मी में रक्तदान किया।स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का शुभारम्भ फीता काटकर उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि रेनुसागर पावर डिवीज़न रेणुसागर के यूनिट हेड आर पी सिंह ने अपने सम्बोधन में कहा कि रक्तदान से बड़ा मानव सेवा कोई नहीं है । रक्तदान देकर जरूरत मन्दो की जान बचाई जा सकती है,उन्होंने कहा कि युवाओं हुए निःस्वार्थ भाव से जनकल्याण को समर्पित उनके बहुमूल्य योगदान हेतु भूरी भूरी प्रशंसा किया,यूनिट हेड आर पी सिंह ने स्वयं ब्लड डोनेट कर संस्थान के कर्मचारियों एवं अधिकारियों का हौसला आफजाई किया। इसी क्रम में रेडक्रॉस ब्लड सेंटर के डायरेक्टर डॉ. आर डी द्विवेदी ने कहा कि मानवता के कल्याण के लिए रक्तदान करना बड़े पुण्य का कार्य है । युवाओं को स्वयं रक्तदान के लिए जागरूक होने के साथ साथ समाज को भी जागरूक करने के लिए आगे आना होगा। रक्तदान करने से शरीर में किसी भी प्रकार की कोई कमजोरी नहीं होती। हर एक व्यक्ति को अपने जीवन में रक्तदान जरूर करना चाहिए।इस शिविर में पंजीयन कराने वाले रक्तदान दाताओं का हीमोग्लोबिन, ब्लड ग्रुप, ब्लड प्रेशर एवं वजन आदि का जांच किया गया । स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में 85 रक्तदाताओं द्वारा रक्तदान के उपरांत प्रशंसा प्रमाण पत्र देकर उत्साहवर्धन किया गया, वहां पर उपस्थित पदाधिकारियों व अन्य द्वारा रक्तदान दाताओं का हौसला अफजाई किया गया। इस अवसर पर रीप्रिज्म 2024 कोर कमेटी के सदस्य समीर आनन्द, प्रणव सोनी, ललित खुराना, कुमार हर्षवर्धन के अलावा डॉ. अनिता वर्गीस आयोजन टीम के सदस्य मनीष सिंह, संतोष गुप्ता, रवि दुबे, चंदा त्रिपाठी, मीनाक्षी द्विवेदी, शिवानी चौरसिया, आंचल शर्मा, सिस्टर जॉबी ए डी पांडेय, अनन्त गजिया आदि अतुलनीय व सराहनीय सहयोग रहा। रेडक्रॉस ब्लड सेंटर, इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी, विन्ध्यनगर के स्टाफ हरिशंकर गुप्ता टेकिन्कल सुपरवाइजर, जय प्रकाश दुबे कोऑर्डिनेटर, शिवानी सिंह स्टाफ नर्स, रेशमा खातून सक्रिय सहयोग में मौजूद रहे।

उ.प्र. संस्कृत संस्थान द्वारा पौरोहित्य प्रशिक्षण शिविर 2024- 25 का शुभारंभ

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा । उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान लखनऊ के तत्वावधान में पौरोहित्य प्रशिक्षण शिविर (निःशुल्क) वित्तीय वर्ष 2024- 25 का शुभारंभ प्रशिक्षण केन्द्र शुभारंभ किया गया जिसमें मुख्य रूप से सर्वश्री योगी प्रवीण कुमार, आचार्य जितेंद्र,डा. प्रमोद सक्सेना आदि उपस्थित रहे।ज्ञात हो कि ठसंस्कृत संस्थान उत्तर प्रदेशठ में अपने केंद्र के द्वारा संस्कृत

गाजियाबाद में आमंत्रित अतिथियों,विद्वानों,आश्रम के ब्रह्मचारियों के साथ शंभू दयाल दयानन्द वैदिक सन्यास आश्रम, दयानन्द नगर,गाजियाबाद में शुभारंभ किया गया।डा अगिन्देव शास्त्री ने बताया कि आज उत्तर प्रदेश के सभी प्रशिक्षण केन्द्रों पर एक साथ प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ हुआ है। गाजियाबाद केन्द्र में कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वामी सूर्यवेश तथा संचालन प्रशिक्षक डा.अगिन देव शास्त्री ने किया सभी आमंत्रित अतिथियों विद्वानों आश्रम के कर्मचारियों के साथ 2024 - 25 के शिविर का सम्भाषण, योग प्रशिक्षण, वस्तु एवं ज्योतिष के भी पाठ्यक्रमों का संचालन कर प्रशिक्षण देता है।जोकि एक संस्थान द्वारा बहुत ही सराहनीय कार्य है।डा आरके आर्य निर्देशक स्वदेशी आयुर्वेद हरिद्वार ने बताया कि भारतीय राजतंत्र में तो पुरोहित को सचिव,वैद्य,गुरु सभी कुछ माना गया है राज्य में युद्ध, बीमारी,अकाल आदि किसी संकट में राजपुरोहित का परामर्श जहां दिशा निर्देशक रहा है वहीं शांति की स्थिति में राज्य के विस्तार एवं समृद्धि के लिए भी उसकी सदैव निर्णायक भूमिका रही है।

कल हनुमान जन्मोत्सव पर नगर के विभिन्न हनुमान मंदिरों पर होगा कार्यक्रम का आयोजन

(आधुनिक समाचार सेवा)
रॉबर्ट्सगंज, सोनभद्र। हनुमान जन्म उत्सव के अवसर पर कल दिनांक 23 अप्रैल दिन मंगलवार को आयोजक निर्मल कुमार केडिया ने सभी हनुमान भक्तों से निवेदन किया है कि इस अवसर पर सभी हनुमान भक्त मंदिर पर उपस्थित मोचन मंदिर पर सुबह 7:00 बजे प्रभु हनुमान जी की दिव्य आरती मंदिर के पुजारी राजकुमार पांडे द्वारा की जाएगी और इसके

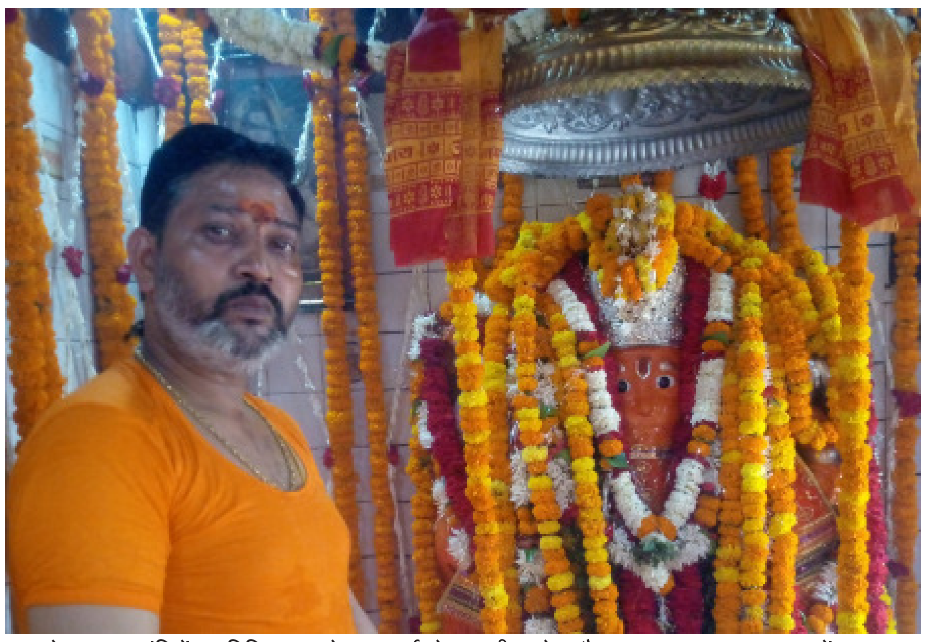

नगर के हनुमान मंदिरों पर विभिनन कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। जिसमें कि मेन रोड पर स्थित केडिया जी के बगीचे के हनुमान मंदिर पर सुबह 7:00 बजे मंदिर में स्थापित देवी,देवताओं का पूजन व दोपहर 1:00 बजे सुंदरकांड का पाठ और शाम 7:00 हनुमान जी की दिव्य आरती की जाएगी और रात्रि 8:00 बजे से भजन संध्या का आयोजन किया गया है। जिसमें की सुप्रसिद्ध भजन गायक संजीव शर्मा अपने गायन के माध्यम से भक्तों को मंत्रमुग्ध करेंगे। होकर पूर्ण के भागी बने और भजन संध्या खूब आनंद उठाएं और शीतला माता मंदिर के पास स्थित संकट हरण श्री सिद्ध हनुमान मंदिर में राम जी मोदनवाल के संयोजन में हनुमान जी की सुबह 7:30 बजे भव्य आरती की जाएगी और प्रातः 8:00 बजे से नगर में विशाल ध्वज यात्रा निकाली जाएगी एवं शाम 7:00 बजे हनुमान जी की जन्म उत्सव आरती होगी और 8:00 बजे से विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा सीएमओ ऑफिस के पास स्थित श्री राम जानकी संकट पश्चात हनुमान भक्तों द्वारा 51 किलो का केक काटा जायेगा। वही शाम 7:00 बजे श्री हनुमान जन्म उत्सव की भव्य आरती होगी और इसके पश्यात भंडारे का आयोजन होगा और रात्रि 8:00 बजे से भजन के कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा जिसमें सुप्रसिद्ध भजन गायक सूरज गुप्ता की टीम द्वारा भजन की प्रस्तुति दी जाएगी। इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक पुजारी राजकुमार पांडे ने सभी श्रद्धालुओं से अपील करते हुए कहा कि मंदिर में पधारे और पुण्य के भागी बने।

बीएसए जौनपुर गोरखनाथ पटेल जी ने अनाथ बेटियों का किया आर्थिक सहयोग

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। राबर्ट्सगंज टीचर्स सेल्फ केयर टीम के प्रदेश अध्यक्ष विवेकानंद के आह्वान पर जनपद सोनभद्र की शिक्षिका स्वर्गीय हुसनरा बानो की दोनों अनाथ बेटियों का सहयोग टीएससिटी के द्वारा किया जा रहा है त् इस पवित्र कार्य में अपना योगदान देते हुए जौनपुर के बेसिक शिक्षा अधिकारी, भूत पूर्व बेसिक शिक्षा अधिकारी सोनभद्र गोरखनाथ पटेल जी ने बेटियों के खाते में सीधे ?10,000 का सहयोग किया है। प्रांतीय आईटी सेल प्रभारी अरुण सिंह , जिला सहसंयोजक

प्रवीण द्विवेदी, शैलेंद्र सिंह, प्रवीण सिंह, ओम शंकर नारायण शर्मा, रामेश्वर सोनी, के साथ-साथ सोनभद्र की पूरी टीएससिटी टीम ने बेसिक शिक्षा अधिकारी का धन्यवाद प्रकट किया है।बातचीत के दौरान प्रान्तीय आईटी सेल प्रभारी अरुण सिंह ने जानकारी दी की वर्तमान समय में सहयोग अलर्ट 51 चल रहा है जिसमें सात दिवंगत शिक्षक के परिवारों का सहयोग गतिमान है ।जिसमें पूरे प्रदेश के शिक्षक प्रतिभाग कर रहे हैं ।सभी परिवारों को लगभग रुपए 55 लाख से ऊपर के सहयोग का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस बार सोनभद्र से दिवंगत शिक्षिका हुसनराबानो की दोनों बेटियों का सहयोग गतिमान है जो 15अप्रैल से 25अप्रैल तक चलेगा। जिसमें पूरे प्रदेश के शिक्षक इस पुनीत कार्य के लिए अपना योगदान दे रहे हैं।अब तक 169 परिवारो को टीएससिटी के द्वारा 52 करोड़ रुपए से अधिक की सहायता की जा चुकी है ।

ये ग्यारह प्लेयर्स रातों-रात बदलेगी आपकी किस्मत संजू या हार्दिक नहीं इसे बनाए टीम का कप्तान

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। आईपीएल 2024 के 38वें मैच में राजस्थान रॉयल्स की भिड़ंत मुंबई इंडियंस से होनी है। यह मुकाबला जयपुर के सवाई मानसिंह तरफ मुंबई इंडियंस की टीम प्वाइंट्स टेबल में छठे स्थान पर है। ऐसे में दोनों टीमों के बीच अब राजस्थान के होम ग्राउंड में हाई-वोल्टेज मुकाबला खेला जाना है। इस मैच पहले बैटिंग करते हुए राजस्थान की टीम ने 3 मैच जीते, जबकि मुंबई इंडियंस ने 8 मैचों में जीत हासिल की। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम की पिच बैटर्स

स्टेडियम में खेला जाएगा। संजू सैमसन की अगुवाई वाली राजस्थान रॉयल्स की टीम इस सीजन में शानदार फॉर्म में चल रही है। संजू सैमसन की कप्तानी वाली राजस्थान रॉयल्स का आईपीएल 2024 में शानदार प्रदर्शन रहा है। राजस्थान की टीम ने 7 मैच में से 6 मैचों में जीत का स्वाद चखा और केवल एक मैच में उसे हार का सामना करना पड़ा। दूसरी तरफ मुंबई इंडियंस की टीम ने 7 मैचों में से 3 मैच ही जीते है। अब दोनों टीमों के बी 22 अप्रैल को टक्कर होनी है। राजस्थान रॉयल्स ने अभी तक 7मैचों में से 6 मैचों में जीत हासिल की ,जबकि एक मैच में हार का सामना किया है। दूसरी से पहले आइए जानते है राजस्थान बनाम मुंबई के मैच की संभावित ड्रीम-11 टीम। विकेटकीपर- जोस बटलर, संजू सैमसन, ईशान किशन बल्लेबाज- रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, यशस्वी जयसवाल ऑलराउंडर- हार्दिक पांड्या, रियान पराग गेंदबाज- युजवेंद्र चहल, जसप्रीत बुमराहआईपीएल के इतिहास में मुंबई इंडियंस और राजस्थान रॉयल्स के बीच कुल 30 मैच खेले गए है, जिसमें मुंबई इंडियंस का पलड़ा भारी है। मुंबई की टीम ने 16 मैचों में जीत हासिल की, जबकि 13 मैचों में राजस्थान की टीम को जीत मिली। एक मैच बेनतीजा रहा। के लिए अनुकूल है। इस पिच पर अच्छा बाउंस मिलता है और बैटर्स को कई बड़े-बड़े शॉट्स जड़ते हुए देखा जाता है। स्पिनर्स को इस पिच पर फायदा मिलता है। राजस्थान रॉयल्स- यशस्वी जयसवाल, जोस बटलर, संजू सैमसन (कप्तान/विकेटकीपर), रियान पराग, ध्रुव जुरेल, रविचंद्रन अश्विन, शिमरोन हेटमायर, रोवमैन पॉवेल, ट्रेंट बोल्ट, आवेश खान, युजवेंद्र चहल मुंबई इंडियंस- रोहित शर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर), सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या (कप्तान), टिम डेविड, रोमारियो शेफर्ड, मोहम्मद नबी, गेराल्ड कोएत्जी, श्रेयस गोपाल, जसप्रीत बुमराह।

विराट कोहली का मायूस-सा चेहरा देख फैंस का टूटा दिल 10 साल बाद भी नहीं बदली आरसीबी की किस्मत

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। आखिरी ओवर और जीत के लिए 21 रन की दरकार। केकेआर के खिलाफ आरसीबी की टीम मानो जीत के दहलीज पर पहुंच ही गई थी। हर किसी के मन में एक आशा की किरण जाग उठी थी कि आरसीबी ये मुकाबला अपनी झोली में कर ही लेगी, लेकिन कहते है ना किस्मत भगवान से प्रार्थना करने लगे, लेकिन अंत में मिचेल स्टार्क ने अपनी ही गेंद पर करन शर्मा का कैच लपक लिया और ये रोमांचक मैच केकेआर ने 1 रन से अपने नाम किया। केकेआर से मिली करीबी हार के बाद डगआउट में बैठे विराट कोहली का रिएक्शन कैमरे में कैद हो गया। कोहली को मायूस देख

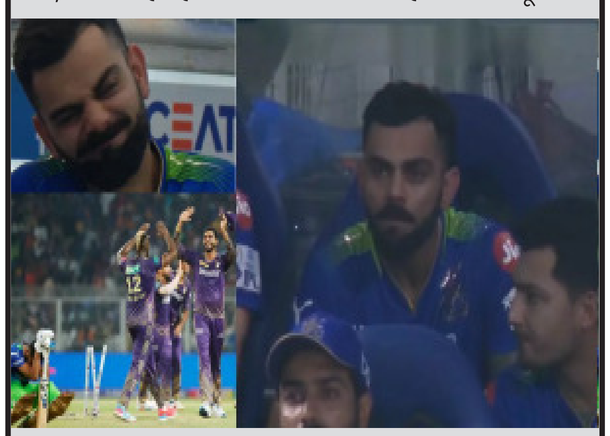

से बड़ा कुछ नहीं होता और एक बार फिर से आरसीबी की किस्मत रुठी हुई निकली। केकेआर बनाम आरसीबी के बीच खेले गए रोमांचक मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स को 1 रन से जीत मिली। आखिरी ओवर में करन शर्मा ने मिचेल स्टार्क के खिलाफ तीन छक्के जड़े लेकिन आखिरी गेंद पर वह खराब शॉट खेलने के चक्कर में स्टार्क को अपना कैच थमा बैठे और इस तरह आरसीबी की टीम मौजूदा सीजन में अपनी दूसरी जीत करने से रह गई। दिनेश कार्तिक 19वें ओवर की आखिरी गेंद पर आउट हो गए और फिर यहां से पल-पल बाजी पलटती चले गई। आरसीबी-केकेआर दोनों टीमों के फैंस जीत को लेकर फैंस का मानो दिल टूट गया। आरसीबी को केकेआर द्वारा 223 रन का टारगेट मिला था इसका पीछा करते हुए केकेआर की टीम 221 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। रजत पाटीदार और विल जैक्स ने अर्धशतकीय पारियां खेली और करन शर्मा ने भी शानदार प्रदर्शन किया। मिचेल स्टार्क के आखिरी ओवर में करन शर्मा ने तीन छक्के जड़े और केकेआर की जीत की उम्मीदों को जगाया, लेकिन जब आरसीबी को 2 गेंदों पर 3 रन की दरकार थी, तब वह एक मामूली शॉट खेलकर स्टार्क को ही अपना कैच थमा बैठे। इस तरह केकेआर ने आरसीबी को 1 रन से हराया।

जयपुर में लगेगा रनों का अंबार या गेंदबाज मचाएंगे हाहाकार, आंकड़ों के जरिए समझिए पिच का हाल

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। प्वाइंट्स टेबल में टॉप पर बैठी राजस्थान रॉयल्स अपने अगले मुकाबले में मुंबई इंडियंस से भिड़ेगी। इस सीजन हुई पहली रोमांचक मुकाबला जयपुर के सवाई मानसिंह क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। राजस्थान के होम ग्राउंड पर इस सीजन बल्लेबाजों की फुल मौज रही है। इस मैदान पर 197 जयपुर के इस मैदान पर टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला ज्यादा कारगर साबित होगा। पहली पारी में औसतन स्कोर इस ग्राउंड पर 160 का रहा है।

भिड़ंत में राजस्थान के रजवाड़ों ने हार्दिक पांड्या की सेना को 6 विकेट से पटखनी दी था राजस्थान का बैटिंग ऑर्डर जबरदस्त फॉर्म में है। जोस बटलर ने आखिरी मुकाबले में केकेआर के खिलाफ शतकीय पारी खेली थी। वहीं, कप्तान संजू सैमसन का बल्ला भी खूब चला है। दूसरी ओर, मुंबई ने लास्ट गेम में पंजाब किंग्स को 9 रन से हराया था राजस्थान और मुंबई के बीच रन का लक्ष्य भी हासिल किया जा चुका है। दूसरी पारी में ओस आने की वजह से बैटिंग और भी आसान होती हुई दिखाई दी है। सवाई मानसिंह स्टेडियम ने अब तक आईपीएल में कुल 55 मैचों की मेजबानी की है। पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ने 20 मैचों में जीत का स्वाद चखा है। वहीं, रनों का पीछा करने वाली टीम ने इस ग्राउंड पर 35 मैचों में मैदान मारा है। यानी राजस्थान रॉयल्स का प्रदर्शन आईपीएल 2024 में कमाल का रहा है। राजस्थान ने इस सीजन अब तक 7 मैच खेले हैं, जिसमें से टीम को 6 में जीत हाथ लगी है। वहीं, सिर्फ एक ही मैच में टीम को हार का मुंह देखना पड़ा है। आखिरी मुकाबले में राजस्थान ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 224 रन का लक्ष्य चेज करते हुए जीत दर्ज की थी।

सात मैच हारने के बावजूद कैसे प्लेऑफ में पहुंच सकती है आरसीबी की टीम

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। सांसें रोक देने वाले मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को केकेआर के हाथों एक रन से हार का मुंह देखना पड़ा। करन शर्मा मैच के आखिरी ओवर में तीन छक्के लगाने के बावजूद टीम की नैया को पार नहीं लगा सके। 8 मैच खेले है जिसमें से छह में आरसीबी को हार का सामना करना पड़ा है। फाफ डू प्लेसी की सेना के हाथ सिर्फ एक जीत लगी है आरसीबी ने इस सीजन अब तक 8 मैच खेले है और टीम के हाथ सिर्फ एक जीत लगी है। यानी सात मैचों में टीम ने हार का मुंह

आईपीएल 2024 में यह आरसीबी की सातवीं हार है। इसके साथ ही टीम के लिए आगे की राह भी मुश्किल हो चली है। आइए आपको बताते हैं क्या है आरसीबी के प्लेऑफ में पहुंचने के चांस और कैसे मिल सकता है टीम को अंतिम चार का टिकट कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ आरसीबी को रोमांचक मुकाबले में एक रन से हार का मुंह देखना पड़ा। इस हार के साथ ही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की प्लेऑफ की राह काफी मुश्किल हो चली है। टीम ने अब तक कुल देखा है। प्लेऑफ में पहुंचने के लिए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को अब अपने बचे हुए सभी छह मैचों में जीत दर्ज करनी होगी। सिर्फ जीत नहीं, बल्कि फाफ डू प्लेसी की सेना को बड़े अंतर से इन छह मुकाबले में मैदान मारना होगा। धमाकेदार जीत से भी आरसीबी का काम नहीं बनेगा और बाकी टीमों का प्रदर्शन भी अब बेंगलुरु के लिए मायने रखेगा। कहने का मतलब यह है कि लगातार छह बड़ी जीत दर्ज करने के बावजूद आरसीबी को प्लेऑफ का टिकट नहीं मिलेगा।

कहां और कैसे फ्री में देख सकेंगे राजस्थान बनाम मुंबई मैच का लाइव टेलीकास्ट और स्ट्रीमिंग

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। आईपीएल 2024 के 38वें मैच में राजस्थान रॉयल्स की भिड़ंत मुंबई इंडियंस के साथ होगी। राजस्थान का प्रदर्शन इस सीजन कमाल का रहा है। टीम ने अब मेजबानी करेगी। राजस्थान ने अब तक खेले सात मैचों में से 6 में जीत का स्वाद चखा है जबकि सिर्फ एक ही मैच में टीम को हार का सामना करना पड़ा है। दूसरी ओर पंजाब किंग्स को पटखनी देकर मुंबई कितने बजे शुरू होग राजस्थान रॉयल्स बनाम मुंबई इंडियंस के बीच आईपीएल 2024 का 38वां मैच शाम 7:30 बजे से शुरू होगा। आधे घंटे पहले टॉस होगा।राजस्थान रॉयल्स बनाम मुंबई इंडियंस (ण्श्) का रही है। इस मैदान पर 197 रन का लक्ष्य भी हासिल किया जा चुका है। दूसरी पारी में ओस आने की वजह से बैटिंग और भी आसान होती हुई दिखाई दी है। सवाई मानसिंह स्टेडियम ने अब

तक खेले 7 मैचों में से 6 में जीत दर्ज की है, जबकि सिर्फ एक ही मुकाबले में टीम को हार झेलनी पड़ी है। दूसरी ओर, टूर्नामेंट में खेले सात मैचों में हार्दिक एंड कंपनी ने 3 में जीत का स्वाद चखा है, तो चार मैचों में टीम ने हार का मुंह देखा है। आईपीएल 2024 में जबरदस्त फॉर्म में चल रही राजस्थान रॉयल्स की टीम अपने होम ग्राउंड पर मुंबई इंडियंस की जीत की पटरी पर लौट चुकी है राजस्थान रॉयल्स बनाम मुंबई इंडियंस(ण्श्) के बीच आईपीएल 2024 का 38वां मैच 22 अप्रैल को खेला जाएगा के बीच आईपीएल 2024 का 38वां मुकाबला कहां खेला जाएगा राजस्थान रॉयल्स बनाम मुंबई इंडियंस के बीच आईपीएल 2024 का 38वां मैच 22 अप्रैल को जयपुर के सवाई मानसिंह क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा।का मैच लाइव मैच टीवी पर आप स्टार स्पोर्ट्स चैनल पर देख सकते हैं राजस्थान रॉयल्स बनाम मुंबई इंडियंस के मैच की लाइव स्ट्रीमिंग आप जियो सिनेमा एप पर मुफ्त में देख सकते है राजस्थान और मुंबई के बीच रोमांचक मुकाबला जयपुर के सवाई मानसिंह क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। राजस्थान के होम ग्राउंड पर इस सीजन बल्लेबाजों की फुल मौज तक आईपीएल में कुल 55 मैचों की मेजबानी की है। पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ने 20 मैचों में जीत का स्वाद चखा है। वहीं, रनों का पीछा करने वाली टीम ने इस ग्राउंड पर 35 मैचों में मैदान मारा है। यानी जयपुर के इस मैदान पर टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला ज्यादा कारगर साबित होगा। पहली पारी में औसतन स्कोर इस ग्राउंड पर 160 का रहा है।

लास्ट ओवर में हाई-वोल्टेज ड्रामा, पल-पल पलटी बाजी, फिर नहीं मिला आरसीबी को किस्मत का साथ, केकेआर ने जबड़े से छीनी जीत

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। 19वें ओवर की आखिरी गेंद पर दिनेश कार्तिक 18 गेंदों में 25 रन बनाकर आउट हुए। केकेआर के खेमे में खुशी की लहर दौड़ लग गई। गौतम गंभीर समेत कोलकाता की पूरी टीम को जीत पक्की लगने लगी। आखिरी ओवर में जीत के लिए आरसीबी को 21 टीम को जीत नहीं दिला सके। आखिरी ओवर डालने के लिए गेंद मिचेल स्टार्क के हाथों में थी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने जीत की उम्मीद खो सी दी थी। हालांकि, मैच के आखिरी ओवर में जमकर हाई-वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। हर गेंद के साथ बाजी पलटी और ईडन गार्डन्स के मैदान पर फैन्स

रन की दरकार थी और क्रीज पर करन शर्मा और लॉकी फर्ग्यूसन मौजूद थे। आईपीएल 2024 के 36वें मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स ने रोमांचक मुकाबले में आरसीबी को एक रन से हराया। ईडन गार्डन्स के मैदान पर खेले गए मुकाबले के आखिरी ओवर में हाई-वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। सांसें रोक देने वाले मैच में केकेआर की टीम एक रन से बाजी मारने में सफल रही। करन शर्मा शानदार बैटिंग करने के बावजूद ने वो सबकुछ देखा, जो वह एक टी-20 मुकाबले में देखने की चाहत रखते हैं। मिचेल स्टार्क के हाथ से निकली ओवर की पहली ही गेंद पर करन शर्मा ने जोरदार सिक्स जड़ दिया। करन के बल्ले से निकले इस छक्के ने मानो आरसीबी के खेमे में फिर से जीत की उम्मीद जगा दी। ओवर की दूसरी गेंद करन के बल्ले का भारी किनारा लेकर कीपर के दस्तानों में गई। स्टार्क ने जोरदार अपील की और थर्ड अंपायर का रुख किया गया।

इस सप्ताह की शुरुआत प्रसन्नता के साथ होगी। लेकिन बातचीत में संयत रहें। शिक्षा से जुड़े काम पर ध्यान देने की आवश्यकता है। धैर्य रखना होगा। भागदौड़ बनी रहेगी।

इस सप्ताह आत्म संयत रहने की आवश्यकता है। मन परेशान रहेगा। गुस्सा पर नियंत्रण रखना होगा। परिवार का साथ मिलेगा। लाभ के

मन में आशा-निराशा बनी रहेगी। नकारात्मक विचारों से बचें। स्वास्थ्य का ध्यान रखने की आवश्यकता है। शत्रुओं पर विजय प्राप्त करेंगे। नौकरी में कार्यभार में बढ़ोतरी

सप्ताह के शुरुआत से वाणी में मधुरता रहेगी, लेकिन धैर्यशीलता बनाए रखने की कोशिश करें। शिक्षा से जुड़े कामों में सफलता मिलेगी। संतान के स्वास्थ्य का ध्यान रखना

सप्ताह के पहले दिन से मन में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। नौकरी में तरक्की मिलने की संभावना है। शासन सत्ता का योग बन रहा है। भवन सुख मिलेगा। शिक्षा से जुड़े काम में

इस सप्ताह कार्यक्षेत्र में मेहनत ज्यादा होगी। परिवार की जिम्मेदारी बढ़ेगी। नौकरी में कार्यभार बढ़ेगा। मन परेशान हो सकता है। स्वभाव में

नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा, स्थान परिवर्तन भी हो सकता है। वाणी में कठोरता का भाव रहेगा, बातचीत में संयत रहें। वस्त्रों

इस सप्ताह परिवार के साथ धार्मिक यात्रा के योग बन रहे हैं। माता का सहयोग भी प्राप्त होगा। आत्मविश्वास बहुत रहेगा। ज्यादा उत्साही होने से बचें।

नौकरी में तरक्की होने की संभावना है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव बना रहेगा। मानसिक शांति रहेगी। गुस्सा पर काबू रखें।

परिवार में हंसी-खुशी का माहौल रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा। आत्मविश्वास बहुत रहेगा। नकारात्मक विचारों से बचाव

मन खुश रहेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।

पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ सकती हैं। मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

टी-20 मे बाबर आजम का एक और बड़ा कारनामा, चकनाचूर किया फिंच और केन विलियमसन का महारिकॉर्ड; कोहली-रोहित भी छूटे पीछे

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम के नाम टी-20 क्रिकेट में एक और बड़ा कारनामा दर्ज हो गया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए तीसरे टी-20 मुकाबले में बाबर ने 29 गेंदों पर 37 रन की तेज तर्रार पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान बाबर ने एरोन फिंच और केन विलियमसन के बड़े रिकॉर्ड को चकनाचूर कर डाला है। हालांकि, पाकिस्तान को न्यूजीलैंड के हाथों दूसरे टी-20 में 7 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। पाकिस्तान को न्यूजीलैंड के हाथों तीसरे टी-20 मुकाबले में 7 विकेट से हार का मुंह देखना पड़ा। हालांकि कप्तान बाबर आजम ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए टी-20 इंटरनेशनल के एक और बड़े रिकॉर्ड पर कब्जा जमाया। बाबर ने खास मामले में एरोन फिंच और केन विलियमसन को पीछे छोड़ दिया है। इस जीत के साथ ही कीवी टीम ने सीरीज को 1-1 से बराबर कर दिया है दरअसल, बाबर आजम बतौर कप्तान टी-20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले कप्तान बन गए हैं। बाबर के नाम अब क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में कैप्टन के तौर पर 2246 रन दर्ज हो गए हैं। उन्होंने इस मामले में एरोन फिंच और केन विलियमसन को पीछे छोड़ दिया है। फिंच ने बतौर टी-20 कप्तान 2236 रन जड़े हैं। वहीं, विलियमसन के नाम 2125 रन

दर्ज है। इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर रोहित शर्मा का नाम दर्ज है, जिन्होंने 1648 रन जमाए हैं, तो बतौर कप्तान कोहली ने इस फॉर्मेट में 1570 रन बनाए हैं। बाबर ने तीसरे टी-20 में शानदार बल्लेबाजी करते हुए 29 गेंदों पर 37 रन की दमदार पारी खेली। बाबर ने मोहम्मद रिजवान के साथ मिलकर पाकिस्तान को सधी हुई शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 6.2 ओवर में 55 रन जोड़े। रिजवान ने 22 गेंदों पर 32 रन जड़े। वहीं, अंतिम ओवरों में शादाब खान ने बल्ले से तबाही मचाई मचाते हुए सिर्फ 20 गेंदों पर 41 रन की आतिशी पारी खेली। वहीं, इरफान खान ने नाबाद 30 रन ठोके। पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान ने 20 ओवर में 4 विकेट खोकर स्कोर बोर्ड पर 178 रन लगाए। हालांकि, मेहमान टीम ने इस लक्ष्य को 18.2 ओवर में सिर्फ 3 विकेट खोकर हासिल कर लिया। कीवी टीम की ओर से मार्क चैपमैन ने तूफानी बैटिंग करते हुए 42 गेंदों पर 87 रन की विस्फोटक पारी खेली। इस जीत के साथ ही न्यूजीलैंड ने सीरीज को 1-1 से बराबर कर दिया है।

सम्पादकीय

पुनर्जागरण की राजनीति लोकतंत्र में सबसे बड़े विश्वास मत का लाभ विजेता उठाता है

ट्रंप की लोकप्रियता के बावजूद, उनकी शैली के चलते 'ट्रंपवाद' बेशक तेजी से विकसित न हो पा रहा हो, लेकिन भारत में नरेंद्र मोदी दक्षिणपंथ का एक नया ही प्रयोग कर रहे हैं। वह विचारधारा के पुराने तर्कों और सांस्कृतिक पुरखों को तवज्जो देने के साथ भविष्य से संवाद भी कर रहे हैं।राष्ट्र को विवादित भावनाओं में बांट देना चुनावों के दौरान आम है। लेकिन राष्ट्रीय आत्मा का संघर्ष वह होता है, जब राजनेता सत्ता की व्यर्थ लड़ाई के जरिये देशभक्ति की बहाली के लिए प्रयास करते हैं।21वीं सदी में इस विचार के सबसे परिचित खिलाड़ी असंतोष व स्वदेशीवाद का शोर मचाने वाले हलकों से आते हैं, और वे गौरवशाली अतीत की ओर वापसी को महानता की पूर्व शर्त बनाते हैं। यही वह पक्ष है, जो आमतौर पर धोखे के शिकार राष्ट्र और उसके निर्वाचित सहयोगियों के खिलाफ जीतता है। ब्रेग्जिट से प्रभावित ब्रिटेन और 'ट्रंपवाद' से प्रभावित अमेरिका इसके सटीक उदाहरण हैं कि कैसे एक काल्पनिक राष्ट्र वर्तमान दुर्दशा के खिलाफ विद्रोह का योग्य गंतव्य बन जाता है।ब्रेग्जिट और ट्रंपवाद, दोनों आज खंडित विरासत हैं। ब्रेग्जिट के उत्तराधिकारी राष्ट्रीय संप्रभुता के लिए वोट का प्रबंधन करने में विफल रहे हैं; उन्होंने जो हासिल किया है, वह आर्थिक ठहराव और राजनीतिक अस्थिरता है। दुखद है कि राष्ट्रीय आत्मा के लिए संघर्ष राजनीतिक नश्वरता के विरुद्ध संघर्ष बन गया है। और ट्रंप की लोकप्रियता में वृद्धि के बावजूद ट्रंपवाद मजबूत नहीं हुआ। एक बार सत्ता में आने के बाद, विदेश नीति और अर्थव्यवस्था में उनकी सफलता उनकी व्यक्तिगत शैली के नीचे दब गई। हार के बाद वह अमेरिकी राष्ट्रपति के इतिहास में साजिश के सर्वोच्च दूत बन गए। जैसा कि दूसरी बार सत्ता में उनका आना अपरिहार्य लग रहा है, ट्रंप अब भी बिगड़ैल सांड की भूमिका निभा रहे हैं। ट्रंप के रहते ट्रंपवाद के विचार के विकास की कोई संभावना नहीं दिखती। ये उदाहरण लोकप्रिय भावना और राजनीतिक यथार्थवाद के बीच के अंतर को सामने लाते हैं। राष्ट्रीय आत्मा के लिए संघर्ष मुक्ति की त्रुटिपूर्ण राजनीति के रूप में समाप्त होता है। मूल आदर्श की मृत्यु के बाद राष्ट्र के झूठे पुनर्स्थापकों का उदय होता है। लेकिन अगर भारतीय राजनीति पर नजर डालें, तो यह पैटर्न टूट जाता है। यहां राष्ट्रीय आत्मा का संघर्ष अपने दूसरे दशक में प्रवेश करता है। वर्ष 2014 में नरेंद्र मोदी ने आम चुनाव को राष्ट्रवाद की बहाली के जनमत संग्रह में बदल दिया। उन्होंने कभी भी खुद को दूसरे प्रधानमंत्री उम्मीदवारों के रूप में नहीं देखा, जिनकी सीमा अगले पांच वर्षों से आगे नहीं बढ़ती। मोदी ने भारत को आधुनिक रूप देने वाले और राष्ट्र का पुनर्निर्माण करने वाले नेता के रूप में चुनाव जीता और अपना लक्ष्य काल्पनिक अतीत में नहीं खोजा, बल्कि भविष्य से संवाद किया। यह सांस्कृतिक तर्क है, जिसमें दक्षिणपंथ आम तौर पर हार जाता है, पर मोदी के लिए यह तर्क भी नहीं है। यह होने की स्थिति है। राष्ट्रीय आधुनिकीकरण की अपनी परियोजना को सबसे स्थायी क्षेत्र यानी भारत के गरीबों तक ले जाने के लिए उन्हें कभी भी हिंदू विशेषण की जरूरत महसूस नहीं हुई। भारत के सांस्कृतिक पुरखों को बार-बार याद करने की जरूरत नहीं थी, और यह केवल उन लोगों के लिए विवाद का विषय था, जो अब भी मूल राष्ट्र निर्माताओं के उपदेशों में डूबे हुए थे। मोदी ने राष्ट्र को सीमित करने वाले स्थापत्यों को नष्ट करना अभी खत्म नहीं किया है, और इसलिए 2024 में उनकी लड़ाई राष्ट्र की पुनर्स्थापना के लिए है। विकल्प में एक गठबंधन है, जिसे अपनी भारतीयता को रेखांकित करने के लिए एक संक्षिप्त नाम की जरूरत है। जब वे लुप्तप्राय भारत का रोना रोते हैं, तो अनिवार्य रूप से उनका मतलब ऐसे भारत से होता है, जो भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद, उप-राष्ट्रवाद और वंशानुगत शक्ति में संलिप्त था-एक ऐसा भारत, जहां धर्मनिरपेक्ष आदर्श का मुख्य आकर्षण अल्पसंख्यक बस्तियां और राष्ट्रीय निषेध है। महागठबंधन का प्रत्येक सदस्य एक ऐसे भारत का प्रतिनिधित्व करता है, जो योग्यता और आधुनिकता पर बने समाज के आवेगों और दृष्टिकोण से बहुत दूर है। लुप्तप्राय भारत के उनके रुदन को बौद्धिक समर्थन मिलता है, और ऐसे समय में, जब असहमति किसी कारण की तलाश में हो, यह आश्चर्य की बात नहीं है। जो शायद यह बताता है कि असहमत लोगों के एक वर्ग के लिए अघोषित आपातकाल का आह्वान स्वाभाविक क्यों है। यह असहिष्णुता या वैचारिक हिंसा की किसी भी अभिव्यक्ति का विरोध करने के लिए फासीवाद शब्द का इस्तेमाल करने जितना ही अनैतिहासिक है। काले अतीत का इस तरह आकस्मिक सहारा अमानवीयता की यादों को कमतर कर देता है।

सियाचिन पर पूर्ण प्रभुत्व के 40 साल शांति के वादे के लिए मुश्किल बढ़त को त्यागना हित में नहीं

चालीस साल पूर्व इसी महीने भारतीय सेना ने सियाचिन ग्लेशियर पर अपना पूर्ण प्रभुत्व कायम किया था। यदि भारत शांति के वादे के लिए अपने वीर सैनिकों द्वारा हासिल इस मुश्किल बढ़त को त्याग देता है, तो यह 1972 के विनाशकारी शिमला समझौते के समान होगा।चालीस वर्ष हो गए, जब दुनिया की सबसे ऊंची व ठंडी चोटी और संभवतः सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण सीमा रेखा पर पाकिस्तानी कब्जे को रोकने के लिए भारतीय सेना के पहले जत्थे को सियाचिन ग्लेशियर स्थित चौकी पर भेजा गया था। आखिर क्यों भारत और पाकिस्तान सियाचिन के पीछे पड़े थे? साफ है कि दोनों पक्षों के सीमा संबंधी दावे के अलावा भी बहुत कुछ था। असल में, पाकिस्तानी 1960 के दशक में चीन में रची गई एक योजना पर काम कर रहे थे, जिसमें न केवल अक्साई चिन के उत्तरी हिस्सों को जोड़ना था, बल्कि 10 करोड़ एकड़ जमीन में ताजे पानी के स्रोतों (जो सियाचिन के पास हैं) का दोहन करना था, जिसकी चीन और पाकिस्तान को बेहद जरूरत थी। पाकिस्तान को अधिक बांधों और पनबिजली (बिजली) के लिए, जबकि चीन को माइक्रोचिप दिग्गज बनने के लिए। 30 सेमी वर्ग शीट सिलिकॉन वेफर्स बनाने के लिए 10,000 लीटर ताजा पानी को रेगिस्तानी रेत और रसायनों के साथ मिलाया जाता है। और उस क्षेत्र में बहुत सारे ग्लेशियर हैं, जिसे पाकिस्तान ने फरवरी-मार्च, 1963 में चीन को सौंप दिया था। सियाचिन शक्सगाम घाटी और अक्साई चिन के बीच है। इसलिए यह भारत के लिए रणनीतिक रूप से बेहद फायदेमंद है। कई लोग पहले इसके रणनीतिक महत्व को नहीं समझते थे, बस इसे अपनी भूमि मानते थे। सियाचिन ग्लेशियर के आसपास बर्फीली ऊंचाइयों पर भारत की सैन्य उपस्थिति अप्रैल, 1984 में भारत के तत्कालीन उत्तरी सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल छिब्बर की सिफारिशों पर सरकारी अनुमति से शुरू की गई थी। लेकिन 'क्षेत्र का रणनीतिक महत्व तब भी उतना ज्यादा नहीं था', न ही हमारा उद्देश्य किसी क्षेत्र पर कब्जा करना था। 'यह केवल यह सुनिश्चित करने के लिए था कि हमारे साथ वैसा कुछ न हो, जैसा कि पचास के दशक की शुरुआत में अक्साई चिन में हुआ था', क्योंकि 1962 के चीनी आक्रमण के बाद से नई दिल्ली अपनी सीमाओं के पास मानचित्र संबंधी अस्पष्टताओं के प्रति काफी संवेदनशील रही है। वास्तव में सियाचिन पर विवाद मानचित्र संबंधी विवाद से उत्पनन्न हुआ है। आज जिसे नियंत्रण रेखा कहा जाता है, वह 1949 में संघर्ष विराम रेखा थी। वास्तविक सीमा रेखा जम्मू के उत्तर से शुरू होकर एनजे 9842 नामक पर्वत की ऊंचाई पर अचानक समाप्त होती है। इसके अलावा, भारत-पाकिस्तान के बीच 1949 की कराची संधि और 1972 की सुचेतगढ़ संधि के अनुसार, ग्लेशियर नो मैन्स लैंड है। लेकिन 1970 के दशक से कई मानचित्रों में सियाचिन ग्लेशियर को पाकिस्तान के हिस्से के रूप में दिखाया जाने लगा था। इन सभी में संघर्ष विराम रेखा (अब एलओसी) स्पष्ट रूप से एनजे 9842 से उत्तर-पूर्व दिशा में काराकोरम दर्रे और चीनी सीमा तक फैली हुई दिखाई देती है। ऐसा तब तक पाकिस्तानी मानचित्रों में भी नहीं था! जाहिर है, यह भ्रम कुछ मानचित्रों से पैदा हुआ है, जो शुरू में अमेरिकी रक्षा मानचित्रण एजेंसी द्वारा तैयार किए गए थे, जिसमें 1970-80 के दशक में एनजे 9842 पूर्वोत्तर के आसपास से काराकोरम दर्रे तक चलने वाली एलओसी को दर्शाया गया था। लगता है कि अमेरिका के मानचित्र निर्माताओं द्वारा यह गलती वायु रक्षा सूचना क्षेत्र के चिह्नों को एक सीमा रेखा के रूप में 'अनुवाद' करने के कारण हुई, जो नागरिक/सैन्य विमानन में हवाई यातायात नियंत्रकों के लिए क्षेत्रीय सीमाएं प्रदान करता है।इससे यह भ्रम हुआ कि नियंत्रण रेखा का विस्तार एनजे 9842 से काराकोरम दर्रे तक हो गया और इस तरह यह पाकिस्तानियों की दिलचस्पी का विषय बन गया। हालांकि, ऐसे कई वायु रक्षा सूचना क्षेत्र हो सकते हैं, जो एक देश से होकर गुजर सकते हैं, पर ये राष्ट्रीय सीमा रेखाएं नहीं हैं। लेकिन दुनिया के कई प्रमुख एटलस द्वारा ऐसे मानचित्रों के प्रकाशन ने पाकिस्तानी सेना को एनजे 9842 से परे नियंत्रण रेखा पर विवाद के लिए प्रोत्साहित किया, और यहीं पर सियाचिन क्षेत्र स्थित है।शुरू में जनरल जिया-उल-हक के शासन में महत्वाकांक्षी सैन्य कमांडरों द्वारा उकसाए जाने पर पाकिस्तान ने सियाचिन ग्लेशियर के आसपास की हिमनद ऊंचाइयों पर कब्जा करने की योजना बनाई। लेकिन साल्टोरो रिज पाकिस्तान के दुस्साहस के खिलाफ हमारी रक्षा दीवार है। प्रारंभिक चरण में सियाचिन ग्लेशियर की पश्चिमी दीवार पर कब्जे की कोशिश में सैकड़ों लोग हताहत हुए। हालांकि भारतीय सेना ने वायुसेना की मदद से अपना कब्जा बरकरार रखा। वर्ष 1984 से 1987 तक हमारी सेना ने इसके लिए लड़ाई लड़ी और ऊंचाई पर नियंत्रण करके सियाचिन ग्लेशियर पर अपना पूर्ण प्रभुत्व जमाया। इसने पाकिस्तान को हैरान कर दिया और उसने भारतीय सेनाओं को वहां से हटाने की कई कोशिशें कीं, लेकिन वे विफल रहे। अब वे 1983 से पहले की स्थिति में लौटने की बात कर रहे हैं, क्योंकि पाकिस्तानी सेना को सार्वजनिक रूप से शर्मिंदगी झेलनी पड़ रही है। और अब चूंकि पाकिस्तानी सेना साल्टोरो रिज पर भारतीय सैनिकों के कब्जे को वापस हटा नहीं सकती, इसलिए उसके सैनिकों को निचली घाटी में डेरा डालना होगा। हालांकि उसके सैन्य अधिकारियों ने 40 वर्षों से सियाचिन ऑपरेशन को लेकर अपने झूठ को फैलाया है। पाकिस्तानी मीडिया के एक वर्ग ने कहा कि भारत ग्लेशियर पर अपने सैनिकों को रखने का खर्च वहन नहीं कर सकता, जबकि भारत आसानी से खर्च वहन कर रहा है। सियाचिन में सैनिकों को रखने के लिए प्रति वर्ष लगभग 2,000 करोड़ रुपये की लागत भी भारत के रक्षा बजट का एक छोटा-सा हिस्सा है। मुख्य रूप से भारत-पाक वार्ता के लिए भारत की शर्त है कि पाकिस्तान को भारतीय सैनिकों द्वारा ग्लेशियर के किनारे हासिल की गई बढ़त को स्वीकार करना चाहिए और किसी भी सेना की वापसी से पहले 110 किलोमीटर लंबी एक्चुअल ग्राउंड पोजिशन लाइन (एजीपीएल) को स्वीकार करना चाहिए। कारगिल अनुभव के बाद भारतीय सेना अब पाकिस्तान से मजबूत गारंटी चाहती है, जिसमें भारतीय सेना की स्थिति का सत्यापन, ग्लेशियर के साथ भारत के सैन्य बढ़त की पुष्टि करने वाले मानचित्रों पर हस्ताक्षर शामिल हैं। लेकिन पाकिस्तानी ऐसा करने को तैयार नहीं हैं। यदि भारत शांति के वादे के लिए अपने वीर सैनिकों द्वारा हासिल इस मुश्किल बढ़त को त्याग देता है, तो यह 1972 के विनाशकारी शिमला समझौते के समान होगा।

बड़ी नदियों के लिए जरूरी हैं छोटी नदिया डराने वाले हैं केंद्रीय जल आयोग के आंकड़े

यदि छोटी नदियों में पानी कम होगा, तो बड़ी नदियां भी सूखी रहेंगी। यदि छोटी नदी में गंदगी या प्रदूषण होगा, तो वह बड़ी नदी को भी प्रभावित करेगा।केंद्रीय जल आयोग (सीडब्लूयूसी) की ओर से जारी

आंकड़ों के विश्लेषण के बाद यह बात सामने आ रही है कि हमारी नदियां तेजी से सूख रही हैं। नदियों में जल भरने लायक बरसात होने में अभी कम से कम सौ दिन हैं। चिंता की बात यह है कि बर्फ से ढंके हिमालय से निकलने वाली नदियों-गंगा-यमुना के जल-विस्तार क्षेत्र में सूखा अधिक गहराता जा रहा है। सरकार भी चिंतित है कि गंगा बेसिन के 11 राज्यों के लगभग 2,86,000 गांवों में पानी की उपलब्धता धीरे-धीरे घट रही है। नदियों में घटता बहाव कोई अचानक नहीं आया है। यह साल-दर-साल घट रहा है। लेकिन नदी धार के कम होने का सारा दोष प्रकृति या जलवायु परिवर्तन पर डालना सही नहीं होगा। हमारे देश में 13 बड़े, 45 मध्यम और 55 लघु जलग्रहण क्षेत्र हैं। जलग्रहण क्षेत्र उस संपूर्ण इलाके को कहा जाता है, जहां से पानी बहकर नदियों में आता है। इसमें हिमखंड, सहायक नदियां, नाले आदि शामिल होते हैं। तीन नदियां-गंगा, सिंधु और ब्रह्मपुत्र हिमालय के हिमखंडों के पिघलने से निकलती हैं। इन सदानीरा नदियों को 'हिमालयी नदी' कहा जाता है। शेष पठारी नदी कहते हैं, जो मूलतः बरसात पर निर्भर होती हैं। आंकड़ों के आधार पर हम पानी के मामले में पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा समृद्ध हैं, लेकिन पूरे पानी का कोई 85 फीसदी बारिश के तीन महीनों में समुद्र में चला जाता है और नदियां सूखी रह जाती हैं। जब छोटी नदियां थीं, तो इस पानी के बड़े हिस्से को अपने आंचल में संभाल कर रख लेती थीं। नदियों के सामने खड़े हो रहे इस संकट ने मानवता के लिए भी चेतावनी का बिगुल बजा दिया है। जाहिर है कि बगैर जल के जीवन की कल्पना संभव नहीं है। हमारी नदियों के सामने मूलतः तीन तरह के संकट हैं-पानी की कमी, मिट्टी का आधिक्य और प्रदूषण। धरती के तापमान में हो रही बढ़ोतरी के चलते मौसम में बदलाव हो रहा है, जिसके चलते या तो बारिश अनियमित हो रही है या फिर बेहद कम। ये सभी परिस्थितियां नदियों के लिए अस्तित्व का संकट पैदा कर रही हैं। सिंचाई व अन्य कार्यों के लिए नदियों के अधिक दोहन, बांध आदि के कारण नदियों के प्राकृतिक स्वरूपों के साथ छेड़छाड़ के चलते भी उनमें पानी कम हो रहा है। यदि उत्तराखंड के गढ़वाल और कुमाऊं मंडलों की गैर हिमानी नदियों की दुर्गति पर गौर करें, तो समझ आ जाएगा कि आखिर गंगा बेसिन में जल संकट क्यों है? अल्मोड़ा के जागेश्वर में गंगा का प्रवाह कभी 500 लीटर प्रति सेकंड था, जो आज महज 18 लीटर रह गया है। गैर हिमानी नदियां प्रायः झरनों या भूमिगत जल स्रोतों से उपजती हैं और साल भर इनमें पानी रहता है। जो विशाल गंगा मैदानी इलाकों में आती है, उसमें 80 फीसदी जल गैर-हिमानी नदियों से आता है और मात्र 20 फीसदी जल हिमनद से मिलता है। अनुमान है कि आज भी देश में कोई 12 हजार ऐसी छोटी नदियां हैं, जो उपेक्षित हैं और उनके अस्तित्व पर खतरा है। 19वीं सदी तक बिहार (झारखंड सहित) में कोई छह हजार नदियां हिमालय से उतर कर आती थीं, आज इनमें से महज 400 से 600 का ही अस्तित्व बचा है। मधुबनी, सुपौल में बहने वाली तिलयुगा नदी कभी कोसी से भी विशाल हुआ करती थी, आज उसकी जलधारा सिमट कर कोसी की सहायक नदी के रूप में रह गई है। सीतामढ़ी की लखनदेई नदी को तो सरकारी इमारतें ही चाट गईं। नदियों के इस तरह रूठने और उससे बाढ़ व सूखा के दर्द की कहानी देश के हर जिले और कस्बे की है इन दिनों बिहार के 23 जिलों में बहने वाली 24 नदियां सूख कर सपाट मैदान हो गईं। इनमें से उत्तर बिहार की 16 और दक्षिण बिहार की आठ नदियां हैं। इन सभी नदियों की कुल लंबाई 2,986 किलोमीटर है। इसमें लगभग 670 किलोमीटर क्षेत्र में गाद भर गया है। अंधाधुंध रेत खनन, जमीन पर कब्जा, नदी के बाढ़ क्षेत्र में स्थायी निर्माण ही छोटी नदियों के सबसे बड़े दुश्मन हैं। दुर्भाग्य से जिला स्तर पर कई छोटी नदियों का राजस्व रिकॉर्ड नहीं है, उन्हें नाला बता दिया जाता है। जिस साहिबी नदी पर शहर बसाने से हर साल गुरुग्राम डूबता है, अब उसका बहुत-सा रिकॉर्ड ही नहीं हैं। वैसे तो हर नदी समाज, देश और धरती के लिए बहुत जरूरी है, लेकिन बड़ी नदियों से ज्यादा छोटी नदियों पर ध्यान देना अधिक जरूरी है। छोटी नदियों के मिलने से ही बड़ी नदियां बनती हैं। यदि छोटी नदियों में पानी कम होगा।

महर्षि अगस्त्य क्यों पी गए सारा समुद्र कालकेयों से संसार को कैसे दिलाई मुक्ति

कालकेय समुद्र-तल में रहने लगे। वे रात्रि के अंधकार में बाहर निकलकर आश्रमों में सोते हुए ऋषियों की हत्या कर देते और दोबारा पानी में जा छिपते थे। ऋषि-

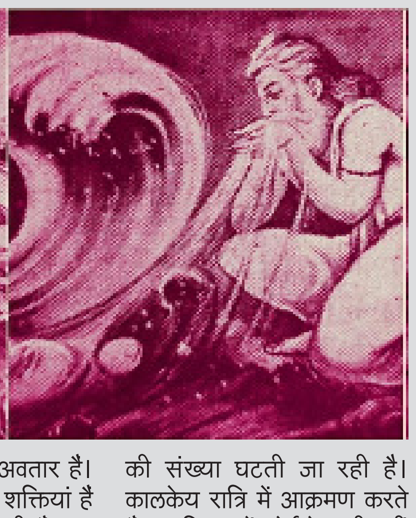

समुदाय के लिए यह चिंता की बात थी।वृत्रासुर ने देवताओं और ऋषि-मुनियों पर इतना अत्याचार किया कि उसका वध करना अनिवार्य हो गया। अंततः, देवराज इंद्र ने महर्षि दधीचि की अस्थियों से निर्मित वज्र से वृत्रासुर को मार डाला। वृत्रासुर के वध से कालकेय नाम के राक्षसों ने ऋषियों से प्रतिशोध लेने की योजना बनाई। कालकेय समुद्र-तल में रहने लगे। वे रात्रि के अंधकार में बाहर निकलकर आश्रमों में सोते हुए ऋषियों की हत्या कर देते और दोबारा पानी में जा छिपते थे। कालकेयों ने बड़ी संख्या में ऋषियों की हत्या कर दी। ऋषि-समुदाय के लिए यह चिंता की बात थी। वे सब मिलकर भगवान विष्णु के पास गए। विष्णु ने ऋषियों से कहा, 'आपकी इस समस्या का समाधान केवल महर्षि अगस्त्य के पास है। अगस्त्य, अगिन्देव के अवतार हैं। उनके पास असाधारण शक्तियां हैं और वह अत्यंत दयालु भी हैं। वह किसी को निराश नहीं करते। आप उनके पास अपनी समस्या लेकर जाएंगे, तो वह अवश्य ही सहायता करेंगे।' यह कहकर विष्णु फिर ध्यान में लीन हो गए। ऋषिगण समझ गए कि भगवान विष्णु उनकी इससे अधिक सहायता नहीं कर सकते थे। इसलिए उन्होंने अगस्त्य मुनि के पास जाने का निश्चय किया। सारे ऋषि-मुनि मिलकर महर्षि अगस्त्य के पास पहुंचे और उन्होंने अगस्त्य को अपनी समस्या बताई। महर्षि, हम पर भारी संकट टूट पड़ा है। समुद्र में बड़ी संख्या में कालकेय असुर छिपे हुए हैं। वे रात्रि के समय बाहर निकलकर सोते हुए ऋषि-मुनियों की हत्या कर देते हैं और सुबह होने से पूर्व फिर समुद्र में छिप जाते हैं। इस कारण ऋषियों की संख्या घटती जा रही है। कालकेय रात्रि में आक्रमण करते हैं, इसलिए उन्हें कोई देख भी नहीं पाता। रात्रि में उनकी शक्ति भी कई गुना बढ़ जाती है। भगवान विष्णु ने कहा है कि केवल आप हमारी सहायता कर सकते हैं। हम आपके पास बहुत आशा लेकर आए हैं। ऋषियों की सहायता करना आपका धर्म है।' यह सुनकर महर्षि अगस्त्य सोच में डूब गए। फिर कुछ देर बाद उन्होंने कहा, 'कालकेयों को समुद्र से बाहर निकाले बिना उन्हें मारना संभव नहीं है। परंतु आप सब चिंता न करें। मैं आपकी सहायता अवश्य करूंगा। मेरे साथ चलिए!' यह कहकर अगस्त्य सभी ऋषि-मुनियों को साथ लेकर समुद्र-तट पर पहुंच गए। इस बीच उन्होंने देवराज इंद्र से देवताओं की सेना के साथ समुद्र-तट पर तैयार रहने को कह दिया। ऋषि-मुनि यह देखने को उत्सुक थे कि दिन के प्रकाश में अगस्त्य निशाचर कालकेयों को कैसे नियंत्रित करने वाले थे। महर्षि अगस्त्य तट पर बैठ गए। उन्होंने अपने योगबल से देखा कि सचमुच बहुत बड़ी संख्या में कालकेय समुद्र तल में छिपे हुए थे। इसके बाद महर्षि अगस्त्य ने एक मंत्र का उच्चारण आरंभ कर दिया। मंत्र के प्रभाव से कुछ ही देर में समुद्र में ऊंची-ऊंची लहरें उठने लगीं, जिन्हें देखकर तट पर खड़े ऋषि-मुनि घबराकर पीछे हट गए। परंतु अगस्त्य अपने स्थान पर डटे रहे। अगस्त्य मुनि ने समुद्र का जल अंजुलि में भरकर पीना शुरू कर दिया। समुद्र-जल की अटूट धारा अगस्त्य की अंजुलि में भरती गई और अगस्त्य उसे पीते गए। ऋषियों को अपनी आंखों पर विश्वास नहीं हो रहा था। कुछ ही देर में समुद्र का जल-स्तर घटने लगा और पानी में छिपे कालकेय असुर दिखाई देने लगे। आखिरकार, अगस्त्य ने समुद्र का सारा पानी पी लिया! कालकेयों के छिपने के लिए अब कोई स्थान नहीं बचा था। विवश होकर वे सब समुद्र से बाहर निकल आए। अगस्त्य की योजनानुसार, समुद्र-तट पर देवताओं की सेना पहले से तैयार खड़ी थी।

संक्षिप्त समाचार

संदिग्ध परिस्थितियों में सो रहे लेखपाल की मौत

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। रविवार की सुबह सदर कोतवाली क्षेत्र के हर्ष नगर में एक किराए के मकान में संदिग्ध परिस्थितियों में 50 वर्षीय लेखपाल की हुई मौत जांच में जुटी पुलिस । परिजन जगननथ सिंह ने बताया कि शनिवार शाम मृतक विपिन बिहारी सिंह से फोन के माध्यम से वार्ता हुई थी सुबह आसपास के लोगों द्वारा अवगत हुआ कि

उनकी मौत हो गई आनंद-खनन में मौके पर पहुंचा जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत्यु घोषित कर दिया था हालात कि अभी तक मौत का कारण का पता नहीं चल सका है। जानकारी के अनुसार विपिन बिहारी सिंह 50 वर्षी पुत्र स्वर्गी दामोदर सिंह वर्तमान समय में ओबरा तहसील क्षेत्र के चीरोलिया इलाके के लेखपाल के पद पर तनाव थे काफी समय से रावटसगंज कोतवाली क्षेत्र के हर्ष नगर में एक किराए के मकान में रह रहे थे वर्तमान समय में उनके परिजन भी यहां नहीं थे मूलनिवासी वह सकराड़ी धानापुर सकडीहा चंदौली निवासी थे वहीं पर परिजनों द्वारा पुलिस को पत्र देकर मामले में न्याय गिराए जाने की गुहार लगाई गई। कनिंगो संघ ने नौकरी व मुहावरे दिलाए जाने की उठाई मांग कंइंगो संगठन अध्यक्ष सुरेंद्र मिश्रा ने बताया कि लेखपाल की मौत के कर्म का पता नहीं चल सका है हालांकि उनके परिजनों को समुचित मुआवजा व सरकारी नौकरी दिलाई जाए जिसको लेकर संगठन मांग करता है।

हंसवाहिनी इंटर कालेज का फिर से दाब दबा रहा कायम

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। यूपी बोर्ड द्वारा संचालित माध्यमिक शिक्षा परिषद के बोर्ड परीक्षा का परिणण 20 अप्रैल को घोषित कर दिया गया।परीक्षा परिणाम जानने के लिए उत्सुक विद्याथिर्यों की धुकधुकी बनी रही।परन्तु वर्ष 2024 के भी परीक्षा परिणाम मे हंस वाहिनी इंटर कालेज कसया का दबदबा क़ायम रहा। इंटर मीडियट परीक्षा परिणाम मे हंस वाहिनी इंटर कॉलेज कसया के छात्र सूर्य प्रताप यादव ने 88.4ज्ञ् अंक के साथ विद्यालय मे प्रथम स्थान बरकरार रखा है,सुश्मित् मिर्श्ने 86.6 प्रतिशत अंक प्राप्त किया है

समृद्धि प्रीमियर लीगः दुसरे मैच में डिस्ट्रॉयर की शानदार जीत

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा। नोएडा समृद्धि निवासियों के द्वारा आईपीएल की तर्ज पर ही सोसाइटी लेवल के क्रिकेट लीग टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा हैं। जिसका दूसरा मैच टाइटंस और डिस्ट्रॉयर के बीच में खेले गया । पहले बल्लेबाजी करते हुए टाइटंस ने 20 ओवर में 186 रन बनाये। टाइटंस की तरफ से कप्तान गौरव ने शानदार पारी खेलते हुए 76 रन बनाये। डिस्ट्रॉयर की तरफ से विशाल ने सधी हुयी गेंदबाजी करते हुए मात्र 26 रन देकर 4 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी डिस्ट्रॉयर की तरफ से विनीत ने धमक़ेदार शतकीय पारी खेलते हुए नाबाद 113 रन बनाये। डिस्ट्रॉयर ने मात्र 18.2 ओवर में ही जीत हासिल कर ली। मैनऑफ़ द मैच विनीत को चुना गया।

ऋषि चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा बच्चों को खिचड़ी सामाग्री वितरित हुआ

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा। ऋषि चैरिटेबल ट्रस्ट रजि. ऋषि की पाठशाला में ट्रस्ट के सहयोग से संस्थापक भारती नेगी के नेतृत्व में निशुल्क शिक्षा लेने वाले सभी बच्चों को आज खिचड़ी सामग्री पैकेट वितरण किए गए। संस्थापक भारती नेगी ने कहा है। की अधिकतर घरों में बच्चे रोटी सब्जी का नाम सुनते ही टेढ़ा-मेढ़ा मुंह बनाने लगते हैं। ऐसे में उनके शरीर की पोषण संबंधि जरूरतो को पूरा करना एक मां के लिए काफी मुश्किल हो जाता है। ऐसे मैं सबसे अच्छा तरीका है। की आप बच्चे को खिचड़ी खाने दो। इसमें आप दाल चावल के अलावा कई सब्जियों को शामिल करके उन्हें एक टेस्टी व हेल्दी डिश सर्वे कर सकती है। सभी बच्चे खिचड़ी को लेकर बहुत खुश हुए। और कहा मैडम आज हम अपनी मम्मी को घर जाकर खिचड़ी बनाने को बोलेंगे और हम खाएंगे फिर कल बताएंगे कैसी लगी।

मोदी जी के नेतृत्व में सभी वर्गो का सम्मान

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा। गौतमबुद्ध नगर लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी के

प्रत्याशी ने अपने संसदीय क्षेत्र गौतमबुद्धनगर व वर्तमान सांसद एवं पूर्व मंत्री भारत सरकार डा. महेश शर्मा ने नोएडा के गांव सदरपुर, चौडा सादतपुर एवं जेवर विधानसभा के राधिका गार्डन, जहांगीरपुर जेवर, एवं थोरा में घर घर संपर्क कर अपने प्रिय निवासियों के साथ जनसंपर्क किया और वहां पर उपस्थित भारी संख्या में लोगों को रिकार्ड मतदान करने की अपील की। भाजपा प्रत्याशी डा. महेश शर्मा ने दादरी में जनसंपर्क को सम्बोधित करते हुए कहा कि जब मन में नरेंद्र मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने की बात आ ही चुकी है तो अन्य पाटिर्यों के नेताओं का क्या होगा। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि एक मास्टर के बेटे को नरेंद्र मोदी की कैबिनेट में चार-चार मंत्रालयों का जिम्मा मिला ये आपके विश्वास के बदौलत ही हुआ है। मैं, आपसे यह अपील करने आया हूँ कि आपके इस कर्ज की पाई पाई आपके इस सम्मान की इस सफेद चादर पर दाग नही लगने दूंगा यह विश्वास दिलाने आया हूँ। मोदी जी ने इस देष की जनता के साथ फर्क नही किया तभी तो उ0प्र0 में 42 लाख प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गरीब परिवारों को आवास मिले हैं जिसमें 19 लाख मकान मेरे मुस्लिम भाइर्यों के परिवारों को मिलें हैं।

भगवान महावीर स्वामी की मनाई गई जयंती

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। रविवार को भगवान महावीर स्वामी की जयंती कार्यक्रम में नगर के जैन बंधुओ द्वारा शोभा यात्रा का कार्यक्रम किया गया शोभायात्रा जैन साधना भवन से प्रारंभ होकर नगर के मुख्य मार्गो

से होते हुए पुनः जैन साधना भवन पर संपनन्न हुई शोभा यात्रा में जैन समाज के बंधुओ एवं बहनों के अलावा समाज के अन्य वर्ग के लोगों ने भी सहभागिता की शोभा यात्रा के पश्चात पूजन एवं आरती का कार्यक्रम हुआ तत पश्चात जैन समाज के बच्चों के द्वारा णमोकार मंत्र प्रतियोगिता का कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम के तहत जैन समाज के समाज के वरिष्ठ सुबोध अग्रवाल ने कहा कि भगवान महावीर स्वामी का जन्म चैत्र शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि को हुआ था बेहद कम उम्र में उन्होंने मोह माया त्याग कर सन्यासी जीवन अपना लिया था सब कुछ त्यागने के पश्चातउन्होंने 12 साल तक कठोर तपस्या की एवं सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी रामेश्वर दास जैन ने अपने उद्बोधन में कहा कि महावीर के सत्य के मार्ग पर चलकर ही व्यक्ति अपने जीवन को सार्थक बन सकता है यदि आज हम इससे कुछ प्रेरणा लेते हैं तो यही सच्ची महावीर के प्रति हमारी श्रद्धा होगी कार्यक्रम के अंत में जोगी जोगीराम जैन ने मंगल पाठ सुनाया कार्यक्रम में मुख्य रूप से धर्मराज जैन संजय अग्रवाल अशोक जैन प्रशांत जैन अमित जैन मनोज जैन रविंद्र केसरी कीर्तन आलोक जी बच्चन अवध मोना जैन उर्मिला जैन रितु ललिता आदि सैकड़ो की संख्या में जैन बंधु उपस्थित थे।

कमलेश की लुगाई' के साथ रोमांटिक हुए विक्की कौशल, सुनील ग्रोवर की मस्ती देख हंसते-हंसते हो जाएंगे लोटपोट

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। कॉमेडी से भरपूर 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में सुनील ग्रोवर कीकू शारदा, कृष्णा अभिषेक हंसी रोक पाना मुश्किल हो जाता है। इस बार द ग्रेट इंडियन कपिल शो में विक्की कौशल और सनी कौशल मेहमान बनकर आए। दोनों और सनी कौशल को देखते ही उन पर लट्टू हो गई। उन्होंने विक्की के साथ रोमांटिक और फनी डांस भी किया, जिसे देख लोग अपनी हंसी आप लोग, मेरा इनसे कोई हंसी मजाक वाला रिश्ता नहीं है।' सुनील यहीं नहीं रुकते। वह इस मजाक में अर्चना पूरन सिंह को भी लपेटे

और कपिल शर्मा अपने जोक्स से लोगों का भरपूर एंटरटेनमेंट करते हैं। खासकर सुनील ग्रोवर और कपिल शर्मा की आपस में नोकझोंक फैंस को बहुत पसंद आती है। अपने कॉमेडी जोक्स से लोगों को हंसा-हंसा कर लोटपोट करने वाले एल्हग्त् उेदने हर एपिसोड में कोई न कोई लाइन या जोक ऐसा जरूर कहते हैं जिसे सुन सामने वाले के लिए भाइयों ने एक दूसरे के सीक्रेट्स खोलने के साथ ही जमकर मस्ती भी की। 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के हालिया एपिसोड में कौशल ब्रदर्स ने एंट्री ली। इन भाइयों ने शो में ढेर सारी मस्ती की। एपिसोड की शुरुआत सुनील ग्रोवर के फनी एक्ट 'कमलेश की लुगाई' बनकर हुई। अपने पति की खोज में निकली 'कमलेश की लुगाई' विक्की कौशल नहीं रोक पाए। इस एपिसोड में सुनील ग्रोवर कई कैरेक्टर्स में नजर आए। 'कमलेश की लुगाई' के बाद वह इंजीनियर बाबू 'चुंबक मित्तल' बनकर सबके सामने आए। सुनील के इस गेटअप में आने के बाद कपिल ने उन्हें किसी बात पर ताना मारा कि वो बंदरों को नहलाते हैं। कपिल शर्मा के मुंह से ये बात सुनते ही सुनील ऑडियंस से कहते हैं, 'हंसिये में ले लेते हैं। 'चुंबक मित्तल' कहते हैं कि कपिल ने बंदरों को नहलाने वाली बात इसलिए बोली क्योंकि वो चाहते हैं कि सामने जो मैडम बैठी हैं, वो हंसे। सुनील की बात सुन अर्चना अपनी हंसी नहीं रोक पातीं। इसके बाद सुनील ग्रोवर मजाकिया अंदाज में ताना मारते हुए कहते हैं 'बुरा लगेगा इनको मगर ये इन लोगों का धंधा है।

संदीप रेड्डी वांगा के साथ विवाद पर पीछे हटने को तैयार नहीं आदिल, बोले- मैं अपना बयान नहीं बदलूंगा

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। स्क्रिप्ट में कुछ और मेरा कोई इरादा है। जो भी मैंने कहा था वह इंटरव्यू में कहा था न गए थे। उन्हें वह फिल्म करने का मलाल आज भी है। फिर इस पर चेहरा हटाकर आपको इस बेइज्जती से बचाऊंगा।इसके बाद

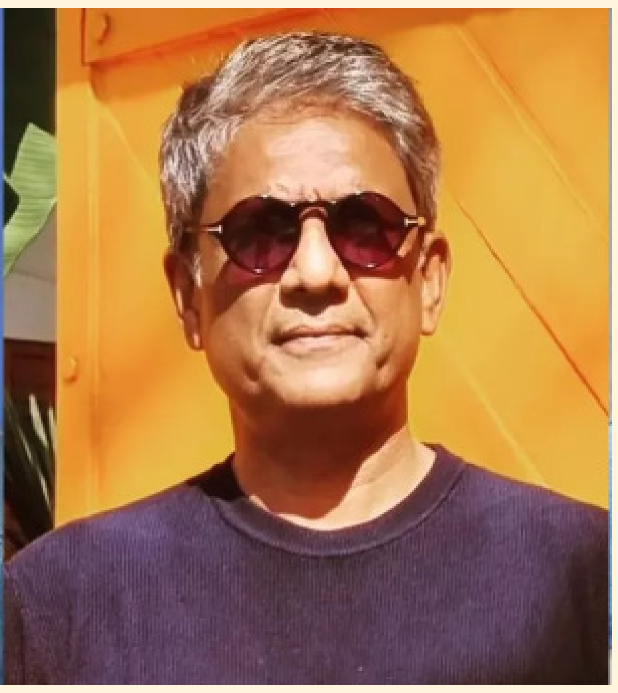

बनने के बाद बड़े पर्दे पर कुछ और, सिनेमा जगत में अक्सर कलाकारों की ऐसी शिकायतें अपनी फिल्मों को लेकर आती रहती हैं। हाल ही में अभिनेता आदिल हुसैन ने एक इंटरव्यू में साल 2019 में प्रदर्शित हुई फिल्म कबीर सिंह को लेकर कुछ ऐसी ही शिकायत की है। आदिल ने एक इंटरव्यू में कहा कि मैंने अभी तक संदीप का एक्स पर पोस्ट देखा नहीं है। ना ही देखने का कि इंटरनेट मीडिया पर। जब मैंने फिल्म देखी तो मैं पूरा चौंक गया था और उसे करने का मुझे मलाल है। मैं अपना बयान नहीं बदलूंगा। उन्होंने कहा कि वह मेरे जीवन की एकमात्र फिल्म रही, जिसे मैंने बिना स्क्रिप्ट पढ़े किया था, बिना यह देखे कि फिल्म किस विषय पर आधारित है? उसके बाद आदिल ने बताया कि फिल्म के प्रीमियर के दौरान सिर्फ 20 मिनट देखने के बाद वह सिनेमाघर से बाहर चले कबीर सिंह के निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा की प्रतिक्रिया आई। संदीप ने एक्स पर आदिल के लिए लिखा, '30 आर्ट फिल्मों में आपका भरोसा आपको वह प्रसिद्धि नहीं मिल पाई, जितनी आपको वो एक ब्लॉकबस्टर फिल्म करने से मिली, जिसका आपको मलाल है। आपकी लालच आपके शौक से ज्यादा बड़ी है। यह जानते हुए भी आपको कास्ट करने का मलाल मुझे है। अब मैं फिल्म में एआई की मदद से आपका इंटरनेट मीडिया पर संदीप की प्रतिक्रिया की काफी आलोचना हुई। वहीं अब इस पर आदिल का भी बयान सामने आया है। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि मैंने अभी तक संदीप का पोस्ट देखा नहीं है। ना ही देखने का मेरा कोई इरादा है। जो भी मैंने कहा था वह इंटरव्यू में कहा था, न कि इंटरनेट मीडिया पर। जब मैंने फिल्म देखी तो मैं पूरा चौंक गया था और उसे करने का मुझे मलाल है। मैं अपना बयान नहीं बदलूंगा।

पंकज त्रिपाठी पर टूटा दुखों का पहाड़, एक्सीडेंट में जीजा की मौत, हॉस्पिटल में एडमिट बहन की हालत नाजुक

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। बॉलीवुड और ओटीटी की दुनिया के जाने माने एक्टर पंकज त्रिपाठी (ईंर्हीत्र ऊर्रुींप) पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। सामने आई जानकारी के अनुसार, एक्टर की बहन सरिता तिवारी और बहनोई की मौत हो गई जबकि बहन सीरियस कंडीशन में है। टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार हादसा झारखंड के धनबाद के निरसा में हुआ है, जो जीटी रोड के पास है। इस एक्सीडेंट में पंकज त्रिपाठी के बहनोई की मौत हो गई, जबकि, होने की वजह से मल्टीपल एफर्ट्स के बाद भी वह बच न सके। वहीं सरिता तिवारी आईसीयू में एडमिट हैं। बता दें कि राजेश तिवारी चितरंजन रेल में नौकरी करते थे। उनकी ड्यूटी रेलवे के जीएम ऑफिस में थी। लेकिन छुट्टी अपने

जीजा सड़क हादसे का शिकार हो गए। इस एक्सीडेंट में पंकज त्रिपाठी के जीजा राजेश तिवारी उर्फ मुनन तिवारी की मौत हो गई। जबकि, बहन अस्पताल में भर्ती हैं। कॉमेडी और एक्शन फिल्मों में अपने एक्टिंग का टैलेंट दिखाने वाले एक्टर पंकज त्रिपाठी ने विलन बनकर भी लोगों के दिलों पर राज किया है। अपनी दमदार अदाकारी के लिए फेमस पंकज त्रिपाठी पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। उनके परिवार से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। एक हादसे में उनके बहन धनबाद के एस्एळ हॉस्पिटल में भर्ती हैं। हादसा शनिवार की शाम करीब 4 बजे तक हुआ। राजेश तिवारी और सरिता तिवारी बिहार के गोपालगंज से वेस्ट बंगाल के लिए जा रहे थे। निरसा मार्केट चौक पर पहुंचने से पहले ही उनका एक्सीडेंट हो गया। राजेश और सरिता की गाड़ी दूसरी गाड़ी से भिड़ गई, जिससे एक्सीडेंट में कार डैमेज हो गई। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को धनबाद मेडिकल कॉलेज में एडमिट किया गया। राजेश की हालत ज्यादा नाजुक घर गोपालगंज आए थे। जब वह वहां से वापस आ रहे थे तब ये दुर्घटना हुई। इस हादसे के बाद संभावनना जताई गई है कि पंकज त्रिपाठी धनबाद जा सकते हैं। पंकज त्रिपाठी के वर्कफ्रंट की बात करें, तो हाल ही में उन्हें 'मर्डर मुबारक' में देखा गया। यह मल्टी स्टारर फिल्म है, जिसमें सारा अली खान, करिश्मा कपूर, संजय कपूर जैसे कलाकार हैं। इसके पहले जनवरी में उनकी फिल्म 'मैं अटल हूं' रिलीज हुई थी।

बालाकोट एयरस्ट्राइक के पर्दे के पीछे क्या हुआ था नई वेब सीरीज को लेकर बोले जिमी शेरगिल 'हकीकत तो हकीकत ही रहेगी'

(आधुनिक समाचार सेवा)
मुंबई। प्रेम, हिंसा और कॉमेडी से उठकर परिपक्व होने लगा है भारतीय वेब सीरीज का मिजाज और इसकी मिसाल है 25 अप्रैल को जियो सिनेमा पर प्रदर्शित हो रही 'रणनीति : बालाकोट एंड 'रणनीति बालाकोट एंड बियांड' लेकर आ रहे हैं। इस शो में 2019 के बालाकोट एयरस्ट्राइक से जुड़े कुछ सच दिखाए जाएंगे। बालाकोट एयरस्ट्राइक और उसकी पीछे की तमाम गतिविधियों पर बनी है वेब सीरीज 'रणनीतिः बालाकोट एंड हैं, जो देश के लिए जंग जीतते हैं और फिर दोबारा भीड़ में खो जाते हैं। लोगों को इनके बारे में पता भी नहीं चलता है। जो घटना पुलवामा से होकर बालाकोट तक जाती है, वह तो सभी जानते हैं, लेकिन उसके पीछे क्या-क्या हुआ, वो इस शो में के आस-पास शूट कर रहा था। मुझे बताया गया था कि ऐसा कुछ हुआ है और फ्लाइट्स जल्द ही रद्द होने वाली हैं। जल्द से जल्द सभी को वापस मुंबई जाना होगा। उसके बाद हमने शूट कैंसिल किया जिमी ने बताया, 'उस समय मुझे सीधे

बियांड'। एयर स्ट्राइक जैसे संवेदनशील मुद्दे को टटोलती-खुरचती इस वेब सीरीज के मुख्य अभिनेता जिमी शेरगिल से दीपेश पांडेय की बातचीत के अंश...बॉलीवुड एक्टर जिमी शेरगिल ने सिल्वर स्क्रीन पर कम लेकिन हमेशा याद रखी जाने वाली परफॉर्मेंस दी हैं। मोहब्बतें हो या तनु वेड्स मनु संजीदगी से कई गई उनकी एक्टिंग को हमेशा सराहा गया है। जिमी अब नई वेब सीरीज बियांड'। इस सीरीज में अभिनेता जिमी शेरगिल भारतीय खुफिया विभाग के अधिकारी की भूमिका में नजर आएंगे। जिमी कहते हैं, 'मुझे नहीं लगता है कि इससे पहले ऐसा कुछ बना है, जिसमें पता चले कि बालाकोट एयरस्ट्राइक के दौरान पर्दे के पीछे क्या हुआ था। जब इसकी स्क्रिप्ट मेरे पास आई थी, तो मुझे बहुत पसंद आई। इससे मुझे काफी कुछ सीखने और जानने को मिला।ऐसे-ऐसे गुमनाम नायक पता चलेगा।' 'देश में कोई छोटी-मोटी चीज भी होती है, तो भी सवाल उठते हैं। यह तो बहुत बड़ी घटना थी। कुछ लोगों के हर चीज को लेकर विचार चलते रहते हैं कि फलां चीज ऐसे नहीं, वैसे हुई थी। कुछ तो बोलते हैं कि ऐसी कोई एयरस्ट्राइक हुई ही नहीं थी, लेकिन जो हकीकत है वो हकीकत तो रहेगी ही। हमारी कोशिश भी वही सच दिखाने की है। जब बालाकोट एयरस्ट्राइक हुई, तब मैं चंडीगढ़ मुंबई की फ्लाइट नहीं मिली थी, तो मुझे वाया दिल्ली होकर आना पड़ा था। देश की सीमा पर खड़ा जवान हो या देश का आम नागरिक, ऐसी घटनाएं सभी के लिए बहुत बड़ी चीज होती हैं।' रंगबाज', 'योर आनर' और 'कालर बंब' जैसी वेब सीरीज कर चुके जिमी को डिजिटल प्लेटफार्म काफी रास आ रहा है। वह कहते हैं, 'ओटीटी पर लिखाई तो अच्छी हो रही है। यहां कहानी आठ-दस एपिसोड में कही जाती है और आधा-एक घंटे का एक एपिसोड होता है। ऐसे में जब आप केंद्रीय भूमिका निभाते हैं, तो उसमें कई पहलू दिखाने के मौके मिल जाते हैं। इसीलिए मेरी कोशिश रहती है कि अगर कोई अच्छा ऑफर आता है, तो साल-डेढ़ साल में एक वेब सीरीज कर लूं 'चूना' वेब सीरीज मेरे लिए कुछ अलग थी तो वो की। उससे पहले 'रंगबाज' और 'योर ऑनर' थी। 'योर आनर' तो मेरे लिए बहुत खास रहेगी। आज भी जब लोग आकर मुझसे मिलते हैं और इस शो की बात करते हैं, तो बहुत खुशी होती है। एक साथ कई कामफिल्मों और वेब सीरीज के साथ-साथ पंजाबी सिनेमा भी कर रहे जिम्मी कई प्रोजेक्ट्स में मेहमान भूमिकाएं भी निभाते हैं। इसके संतुलन पर वह कहते हैं, 'सबसे जरूरी है कि काम लगातार करते रहना चाहिए। कई बार एक साथ कई काम चल रहे होते हैं। जैसे कभी-कभी आप कोई प्रोजेक्ट केंद्रीय भूमिका में कर रहे हैं, उसी के साथ कोई पंजाबी फिल्म भी कर रहे होते हैं। इसी बीच आपको दो-तीन दोस्तों या निर्माताओं से भी ऑफर आ जाते हैं कि यार हमारी फिल्म में एक मेहमान भूमिका कर दो। हालांकि इससे आपकी केंद्रीय भूमिका वाले प्रोजेक्ट की शूटिंग में विलंब होता जाता है या वो तय समय पर रिलीज नहीं हो पाती हैं। तब लोगों को लगता है कि ये तो मेहमान भूमिकाएं ही निभाता है। वास्तविकता तो केवल आपको पता होती है।

दूसरे दिन पटरी पर आई 'दो और दो प्यार', शनिवार को कमाई में आया उछाल

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। विद्या बालन और प्रतीक गांधी स्टारर फिल्म 'दो और वापसी की है। को सिनेमाघरों में रिलीज हुए दो दिन हो गए हैं। इस फिल्म में भरपूर रोमांस और ड्रामा

दो प्यार' को रिलीज हुए दो दिन हो गए हैं। इस फिल्म को लोगों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली है। कुछ लोगों ने एक्ट्रेस के अभिनय की तारीफ की है। बता दें कि इस फिल्म के साथ ही विद्या बालन ने लंबे समय के बाद बड़े पर्दे पर देखने को मिला है। हालांकि फिल्म ने अपने ओपनिंग डे पर धीमी शुरुआत की है। अब इसके दूसरे दिन का कलेक्शन भी सामने आ गया है। चलिए जानते है इस फिल्म ने शनिवार को कितना बिजनेस कर लिया है। दो और दो प्यार' ने अपने पहले दिन बेहद ही धीमी शुरुआत की थी। अब इसके दूसरे दिन का कलेक्शन भी समाने आ गया है। चलिए जानते हैं फिल्म ने दो दिनों में कितना बिजनेस कर लिया है। शीर्षा गुहा ठाकुरता के निर्देशन में बनी इस फिल्म में विद्या बालन और प्रतीक गांधी के अलावा इलियाना डिक्रूज, सेंथिल राममूर्ति भी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म ने सिनेमाघरों में 'एलएसडी 2' के साथ एंट्री मारी थी। वहीं, पहले से ही सिनेमाघरों में अक्षय कुमार की 'बड़े मियां छोटे मियां' और अजय देवगन की 'मैदान' लगी हुई है। ऐसे में 'दो और दो प्यार' के मेकर्स ने दर्शकों को अपनी तरफ लुभाने के लिए एक पर एक फ्री टिकट का ऑफर दिया। इसकी दूसरे दिन की कमाई देख कर लग रहा है कि मेकर्स की ये ट्रिक काम कर गई है। अपने ओपनिंग डे पर फिल्म ने 55 लाख रुपये की कमाई के साथ खाता खोला था।

वीर हिरानी से लेकर राशा थडानी तक, इस साल इंडस्ट्री में डेब्यू करने वाले हैं ये स्टार किड्स

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। बॉलीवुड इंडस्ट्री में अभी तक कई स्टार किड्स अपना डेब्यू इस साल में भी कई स्टार्स किड्स बी टाउन में एंट्री ले रहे हैं।साल 2023 में जहां कई स्टार किड्स ने

कर चुके हैं। बीते साल ही सुहाना खान, खुशी कपूर और अलिजेह अगिन्होत्री समेत कई सितारों ने फिल्मी दुनिया में कदम रखा। अब बॉलीवुड में कदम रखा। वहीं साल 2024 में भी कई स्टार किड्स फिल्मी दुनिया में बतौर एक्टर्स अपने करियर की शुरुआत करने वाले हैं। बीते दिन ही निर्देशक राजकुमार हिरानी के बेटे वीर हिरानी के एक्टिंग डेब्यू की खबर आई। इसके साथ ही राशा थडानी से लेकर अमन देवगन तक भी इस साल बी टाउन में कदम रख सकते हैं। बीते दिन ही खबर आई कि राजकुमार हिरानी के बेटे वीर हिरानी भी अपना एक्टिंग डेब्यू करने जा रहे हैं। इसके साथ ही रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी भी इंडस्ट्री में कदम रखने वाली हैं। चलिए ऐसे में जानते हैं कि कौन-कौन से स्टार किड्स अब एक्टिंग में अपना जलवा दिखाने आ रहे हैं। बॉलीवुड के जाने-माने निर्देशक राजकुमार हिरानी के बेटे वीर आइकॉनिक प्ले 'लेटर्स फ्रॉम सुरेश' के साथ एक्टिंग डेब्यू करने वाले हैं। यह थिएटर के दिग्गज कहे जाने वाले फिरोज अब्बास खान द्वारा निर्देशित है। आमिर खान के बेटे जुनैद खान भी जल्द ही बॉलीवुड इंडस्ट्री में अपना कदम रखने जा रहे हैं। जुनैद फिल्म 'महाराज' से बतौर एक्टर डेब्यू करने जा रहे हैं। हालांकि, इस फिल्म को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम किया जाएगा। पश्मीना रोशन बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रोशन की चचेरी बहन और म्यूजिक डायरेक्टर राजेश रोशन की बेटी पश्मीना रोशन भी साल 2024 में अपना फिल्मी डेब्यू करने वाली हैं। पश्मीना, शाहिद कपूर की पहली फिल्म 'इश्क विश्क' के सीक्वल 'इश्क विश्क रिबाउंड' में बतौर एक्ट्रेस दिखाई देने वाली है। यह मूवी 28 जून को रिलीज होने वाली है।बॉलीवुड के बादशाह यानी शाह रुख खान के बेटे आर्यन खान भी 'स्टारडम' नाम की एक वेब सीरीज के साथ अपने निर्देशन की शुरुआत कर सकते हैं। अनन्या पांडे के चचेरे भाई और चंकी पांडे के भतीजे अहान पांडे वाईआरएफ बैनर के तहत अपना डेब्यू करने वाले हैं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा. दीपक अरोरा द्वारा
श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि.
1-मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं
आधुनिक समाचार पब्लिसिंग हाउस सी 41
यूपीएसआईडीसी नैनी प्रयागराज 211010 (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादक/प्रकाशक
डा. पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।